शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 351 | गुवाहाटी | रविवार, 21 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमरोहा में मालगाड़ी के 10 से 12 डिब्बे बेपटरी पेज 2
केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में बाढ़ परिस्थिति की समीक्षा की पेज 3
भाजपा विधायक पर डॉक्टर की किडनैपिंग और मारपीट का केस दर्ज : व्यापारियों ... पेज 5
अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम पेज 7

गाजा सीज फायर से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

जल्द भारी मात्रा में कम हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी संघर्ष के बीच एक राहत की खबर सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल और गाजा के बीच जल्द ही संघर्षविराम विराम हो सकता है। गाजा सीज फायर की खबर सामने आने के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। न्यू यॉर्क मार्चेंटाइल एक्सचेंज में कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। गाजा सीज फायर की जानकारी सामने आने के बाद निवेशकों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे भारत में आने वाले समय मे पेट्रोल-डीजल और गैस कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे तेल कंपनियों के ऊपर पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतें कम करने का दबाव बनेगा। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.48 डॉलर या 2.91 फीसदी गिरकर 82.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। यू.एस. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 2.69 डॉलर या 3.25 फीसदी गिरकर 80.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बता दें कि भारत कच्चे तेल की भारी मात्रा में विदेशों पर निर्भर रहता है। वर्तमान में भारत अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85त्न आयात करता है। साल 2022-2023 में भारत ने लगभग 220 मिलियन टन कच्चे तेल का आयात किया। कच्चे तेल के इस आयात की कीमत करीब 14.5 लाख करोड़ रुपए थी। हालांकि यह आंकड़े वैश्विक तेल कीमतों और मुद्रा विनिमय दरों के अनुसार बदल सकते हैं, लेकिन यह एक सामान्य अनुमान है कि भारत हर साल लगभग 13-15 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल खरीदता है। यह निर्भरता भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है, जिससे देश को अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध करने और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता होती है।

चराईदेउ मैदाम को जल्द मिलेगा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा

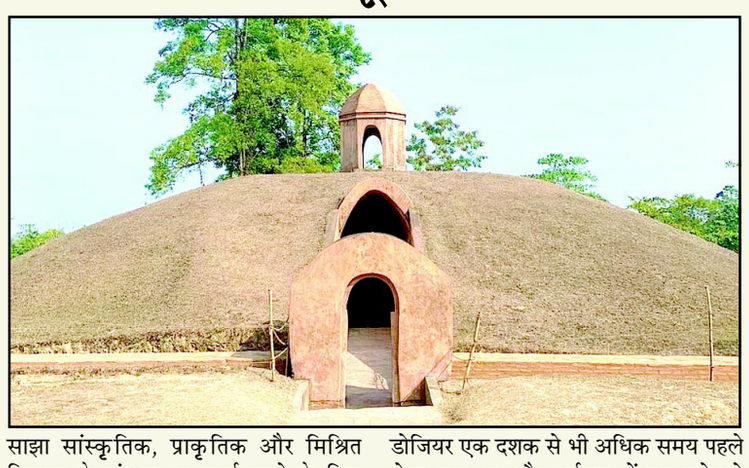

चराईदेउ। अहोम राजवंश की 700 साल पुरानी टीले-दफन प्रणाली, मैदाम को अगले सप्ताह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिलने की उम्मीद है। विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) के 46वें सत्र में नामांकन दाखिल किया जाएगा, जो रविवार को नई दिल्ली में शुरू होगा। सांस्कृतिक श्रेणी में पूर्वोत्तर राज्य से यह पहला नामांकन है, राज्य में पहले से ही प्राकृतिक श्रेणी में दो विश्व धरोहर स्थल हैं - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और मानस राष्ट्रीय उद्यान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जुलाई को डब्ल्यूएचसी के 46वें सत्र का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम पहली बार भारत में आयोजित किया जा रहा है। भारत मंडपम में 21 से 31 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के संस्कृति मंत्री, प्रतिनिधि और हितधारक साझा सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित विरासत के संरक्षण पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगे। मैदाम के लिए नामांकन डोजियर एक दशक से भी अधिक समय पहले भेजा गया था और वर्तमान में यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में है, जो स्मारक को अंतिम सूची का हिस्सा बनाने की दिशा में पहला कदम है। यह सूची में शामिल करने के लिए प्रस्तावित 28 स्थलों में से एक है, जिसकी जांच प्राकृतिक, मिश्रित और सांस्कृतिक श्रेणी के अनुसार की जाएगी। समिति विश्व धरोहर सूची में पहले से ही शामिल 124 स्थलों के संरक्षण की स्थिति पर भी चर्चा करेगी, जिनमें से 57 खतरे में विश्व धरोहर की सूची में भी हैं। वर्तमान में, विश्व धरोहर समिति ने 168 देशों में 1,199 स्थलों को सूची में शामिल किया है। भारत के 44 स्थल इस सूची में हैं। पटकाई पर्वतमाला की तलहटी में स्थित चराइदेउ के मैदाम, ताई-अहोम संस्कृति के अपने राजाओं और उनकी अंत्येष्टि प्रथाओं के प्रति श्रद्धा को प्रदर्शित करते हैं। चराइदेउ शिवसागर -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा मंत्री ने आर्ग्यूकॉम के शिवसागर विवि में विलय की घोषणा की

शिवसागर। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने आज बताया कि असम राजीब गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ कोऑपरेशन एंड मैनेजमेंट (आर्ग्यूकॉम) का शिवसागर यूनिवर्सिटी में विलय किया जाएगा। मंत्री के कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद यह घोषणा की गई। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर अपने पोस्ट में मंत्री पेगू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आर्ग्यूकॉम, जो वर्तमान में तीन विभागों में छह संकायों के साथ काम करता है और जिसमें केवल 54 छात्र हैं, स्थिरता संबंधी मुद्दों का सामना कर रहा है। आर्ग्यूकॉम को -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के भविष्य को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने विपक्षियों को दिया जवाब

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को उन लोगों को जवाब दिया जो पूछ रहे थे कि उन्होंने असम के भविष्य के लिए क्या किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि कैसे उनकी सरकार ने अतिक्रमणकारियों पर नकेल कसी। कई लोग पूछते हैं कि हमने असम के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए क्या किया है। इसका एक सरल उदाहरण है : पिछले 3 वर्षों में सरकार ने अतिक्रमणकारियों को बेदखल किया है और 16,776 हेक्टेयर भूमि को खाली कराया है, जिसमें 9,646 हेक्टेयर वन भूमि और 7,130 हेक्टेयर राजस्व भूमि शामिल है। एक अन्य ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने असम के लिए क्या किया है? पिछले कुछ वर्षों में, हमने केवल कटाव के कारण भूमि खोई है। पिछले 3 वर्षों में, जल संसाधन विभाग और मिसिंग स्वायत्त परिषद ने बोगीबील पुल के नीचे कटाव-रोधी और गाद-निरोधक उपायों को लागू किया है, जिससे ब्रह्मपुत्र -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म न करने से, कर्म करना श्रेष्ठ है।

-श्रीमद् भागवत गीता

उत्तर कन्नड़ में भूस्खलन से सात लोगों की मौत, तीन लापता

उत्तर कन्नड़। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ में भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिसके चलते कई लोगों के लापता होने की भी खबर है। जिले की उपायुक्त लक्ष्मी प्रिया ने बताया कि कर्नाटक में भूस्खलन प्रभावित जिले में बचाव अभियान जारी है और सात शव बरामद किए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि 10 लोगों के लापता होने की शिकायत मिली थी, जिनमें से तीन अभी भी लापता हैं। उन्होंने एजेंसी से बात करते हुए कहा कि एनडीआरएफ टीम, एनएच टीम, नौसेना, तटरक्षक बल, अग्निशमन सेवा, स्थानीय पुलिस, हर कोई वहां काम पर है। जैसा कि हमने पहले बताया है, हमें लापता लोगों के संबंध में 10 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से सात शव बरामद किए -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड में भाजपा को जिताओ वर्ना फिर दिखेगा फिलिस्तीन का झंडा : मुख्यमंत्री हिमंत

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री और आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड भाजपा के सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरे दमखम से चुनावी तैयारियों में लगने को कहा। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव नहीं जीतने पर झारखंड पर बहुत जुल्म होगा। यहां और भी ज्यादा फिलिस्तीनी झंडे लहराते दिखेंगे। जय श्रीराम बोलने नहीं दिया जाएगा। हिमंत ने झारखंड को देश का सबसे भ्रष्ट राज्य बताते कहा कि यहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आदिवासियों से कोई प्रेम नहीं, केवल अपने लिए कुर्सी से प्रेम है। आदिवासी प्रेम होता तो वे वरिष्ठ नेता चंपाई को मुख्यमंत्री पद से नहीं हटाते। हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को जगन्नाथ मैदान, धुर्वा में प्रदेश भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने आज राज्य में सरकार के संरक्षण में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव, घुसपैठियों के मनोबल पर हेमंत सरकार पर निशाना साधा और कहा कि राज्य में घुसपैठिए आतंक मचा रहे हैं। राज्य में मुहर्रम के जुलूस में फिलिस्तीन के झंडे लहराए जा रहे हैं। रामनवमी के जुलूस के लिए अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बीते मुहर्रम में 12 जगह प्रदेश में तनाव हुए लेकिन हिंदुओं के आग्रह के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। घुसपैठिए आदिवासी बहन बेटियों के साथ शादी का ढोंग करके जमीन हड़प रहे हैं। राज्य में अप्रत्याशित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

डिराक में मिला गैस का नया भंडार

गुवाहाटी (हि.स.)। तिनसुकिया जिले में डिरोक क्षेत्र गैस का एक नया भंडार का पता लगा है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सकारात्मक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप नए संसाधनों की खोज और मौजूदा संसाधनों के पेट्रोलियम -शेष पृष्ठ दो पर

प्रवासियों से भरी नाव में लगी आग, 40 लोग जिंदा जले

पोर्ट-औ-प्रिंस। उत्तरी हैती के तट पर एक नाव में अचानक आग लगने से कम से कम 40 प्रवासियों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि हैती के राष्ट्रीय प्रवासन कार्यालय के अनुसार, दो दिन पहले तुर्क और कैकोस द्वीप समूह की 250 किलोमीटर की यात्रा के लिए 81 से अधिक लोगों को लेकर नाव लैबडी से रवाना हुई -शेष पृष्ठ दो पर

संसद का मानसून सत्र कल से सरकार लाएगी छह नए विधेयक

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। इसे लेकर सरकार ने तैयारी कर ली है। सरकार इस मानसून सत्र में पुराने विमान अधिनियम को बदलने समेत छह नए विधेयक लेकर आएगी। जबकि विपक्ष ने सरकार को नीट पेपर लीक और रेलवे सुरक्षा के मुद्दे पर घेरने की तैयारी की है। 12 अगस्त तक चलने वाले इस मानसून सत्र में 19 बैठकें होंगी। मानसून सत्र को लेकर संसद सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों को समझने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

अंधविश्वास होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती : भागवत

पुणे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दावा किया कि 1857 के बाद अंग्रेजों ने व्यवस्थित तरीके से देशवासियों में अपनी परंपराओं और पूर्वजों के प्रति आस्था को कम करने की साजिश रची। भागवत ने कहा कि अंधविश्वास तो होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती। उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं और रीति-रिवाज जो चले आ रहे हैं, वे विश्वास हैं। कुछ गलत हो सकते हैं तो उन्हें बदलने की जरूरत है। जी बी देगलुरकर की एक किताब के विमोचन के अवसर पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1857 (जब ब्रिटिश राज ने औपचारिक रूप से भारत पर शासन करना शुरू किया) के बाद अंग्रेजों ने हमारे मन से आस्था को खत्म करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए। हमारी परंपराओं और अपने पूर्वजों में जो आस्था थी, वह खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि भारत में मूर्ति पूजा होती है जो आकार से परे निराकार से जुड़ी है। हर किसी के लिए निराकार तक -शेष पृष्ठ दो पर

रांची में अमित शाह की सुरक्षा में चूक, दो हिरासत में

रांची (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला यहां सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अमित शाह भाजपा के विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने शनिवार को रांची एयरपोर्ट पहुंचे। रांची एयरपोर्ट से उनका काफिला बिरसा चौक के लिए निकला तो बाइक सवार दो व्यक्ति उनके काफिले का पीछा करने लगे। यह मामला सुरक्षाकर्मियों के संज्ञान में आते ही पुलिस ने दोनों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। पता चला है कि उस वक्त -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंसा, कर्फ्यू के बावजूद मरने वालों की संख्या बढ़ी

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन हर गुजरते दिन के साथ और अधिक हिंसक होते जा रहे हैं। देश भर में कर्फ्यू लगाने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैन्य बलों की तैनाती की घोषणा के बीच 978 भारतीय छात्र घर लौट आए हैं। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश के 64 में से 47 जिलों में हुई हिंसा में अब तक कुल 105 लोगों की जान जा चुकी है और 1,500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी ने झड़पों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक विदेशी राजनयिक दौरे को रद्द करने की भी खबर दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आरक्षण विरोधी हिंसा भड़कने के कुछ दिन बाद शनिवार को पुलिस ने पूरे देश में कठोर कर्फ्यू लागू कर दिया और सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की। बांग्लादेश में हिंसा भड़कने से कई लोगों की मौत हुई है जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को मरने वाले लोगों की संख्या के बारे में अलग-अलग रिपोर्ट सामने आईं -शेष पृष्ठ दो पर

कांवड़ रूट पर दुकानदारों की पहचान जाहिर करने के खिलाफ जमीअत उलमा जाएगी एससी

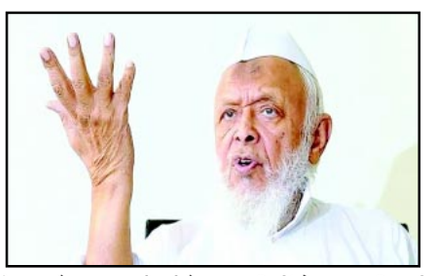

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकानदारों की पहचान जाहिर करने के आदेश के खिलाफ जमीअत उलमा-ए-हिंद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रही है। जमीअत अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा है कि कल कानूनी विशेषज्ञों की एक बैठक बुलाई गई है जिसमें इस आदेश के सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के जरिए कांवड़ यात्रा के रूट पर धार्मिक पहचान स्पष्ट करने वाला आदेश धर्म की आड़ में राजनीति करने का नया खेल है। यह एक भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक फैसला है। इस फैसले से देश विरोधी तत्वों को लाभ उठाने का अवसर मिलेगा और इस नए आदेश के कारण सांप्रदायिक सौहार्द्र को गम्भीर क्षति पहुंचने की आशंका है, जिससे संविधान में दिए गए नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन होता है। मौलाना ने कहा कि पहले मुजफ्फरनगर प्रशासन की ओर से इस प्रकार का आदेश जारी हुआ लेकिन अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का आधिकारिक आदेश सामने आ गया है, जिसमें केवल मुजफ्फरनगर और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

अमरोहा में मालगाड़ी के 10 से 12 डिब्बे बेपटरी

मुरादाबाद (हि.स.)। मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी के अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार शाम को अचानक पलट गई। हादसे में मालगाड़ी के 10 से 12 डिब्बे बेपटरी हो गए हैं। हादसे के बाद मुरादाबाद-अमरोहा रेलखंड में रेल यातायात बाधित हो गया। सीनियर डीसीएम ने बताया कि मालगाड़ी के बेपटरी हुए 10 से 12 डिब्बों को हटाने का कार्य तेजी से चल रहा है, 4 से 5 घंटे में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा। इस हादसे से मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित होने वाली 16 रेलगाड़ियां प्रभावित हुई हैं। शनिवार शाम को अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी के 10 से 12 डिब्बे तेज आवाज के साथ पलट गए। इस हादसे से रेलवे ट्रैक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया जा रहा है कि गिरने वाले डिब्बों में से दो डिब्बों में केमिकल भरा हुआ था और आठ से दस डिब्बे खाली थे। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि अमरोहा मालगाड़ी हादसे से मुरादाबाद रेल मंडल की 16 रेलगाड़ियां प्रभावित हुई हैं। इसमे कई ट्रेनों को डायवर्ट करके और शार्ट टर्मिनेशन करके चलाया जा रहा है। मुरादाबाद-नजीबाबाद पैसेजर कैंसिल की गयी है।

नीतीश मेरी राजनीति खत्म करना चाहते थे, लेकिन मोदीजी ने संभाला : मांझी

पटना (हि.स.)। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का अभिनंदन समारोह शनिवार को आयोजित किया। कार्यक्रम में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार उनकी राजनीति खत्म करना चाहते थे लेकिन नरेन्द्र मोदी ने बहुत कुछ दे दिया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रगुजार हैं। उन्होंने उन्हें बहुत कुछ दे दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जब लघु एवं सूक्ष्म उद्योग का मंत्रालय मिला तो उन्हें लगा कि यहां कोई काम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री ने बताया कि ये उनके सपनों का मंत्रालय है। इस मंत्रालय में सही काम करके लाखों युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा कि अभी भी लोग जल रहे हैं कि एकमात्र सांसद होने के बावजूद जीतन राम मांझी को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। लेकिन उनके जलने से कुछ नहीं होने वाला है। जीतन राम मांझी ने कहा कि वे नीतीश कुमार के गठबंधन में शामिल थे लेकिन नीतीश कुमार ने बुलाकर कहा था कि पार्टी का जदयू में विलय कर दीजिये। उन्होंने पार्टी का विलय नहीं किया। जीतन राम मांझी बोले कि वे नीतीश कुमार के गठबंधन से बाहर हो गए और एनडीए में शामिल हो गए। इसका नतीजा है कि आज वे केंद्र में मंत्री बन गए। उन्होंने कहा कि संतोष सुमन (मांझी के पुत्र) को 6 साल के लिए विधान पार्षद बना दिया गया है। पहले संतोष सिर्फ एक विभाग के मंत्री हुआ करते थे लेकिन अब तीन विभाग को चला रहे हैं। जीतन राम मांझी ने कहा कि उन्होंने जब पार्टी बनायी थी तो नीतीश कुमार ने कहा था कि जीतन मांझी पार्टी कैसे चलायेगा लेकिन उनकी पार्टी दौड़ रही है। भाजपा के लोग भी कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में हम पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बहुत ईमानदारी से काम किया। जीतन राम मांझी ने कहा कि वे इस वित्तीय वर्ष में तो बिहार के लिए कुछ खास नहीं कर पाए हैं लेकिन अगले वित्तीय वर्ष से बिहार में अपने मंत्रालय से काफी काम करायेंगे। बिहार में कम से कम 6 सेंटर खोले जायेंगे जहां बेरोजगार युवकों को रोजगार देने की व्यवस्था की जायेगी। बिहार के लोगों को छोटे उद्योग खोलने के लिए हर तरह की सुविधा मिले वे इसका इंतजाम करायेंगे।

कामाख्या स्टेशन से आरपीएफ ने की एक नाबालिग को बरामद किया

गुवाहाटी (हिंस)। आरपीएफ ने कामाख्या स्टेशन से एक नाबालिग लड़के को बरामद किया। पिछले कुछ दिनों से आरपीएफ कामाख्या स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर एक नाबालिग लड़के को घूमते हुए देख रही थी। पुलिस को देखकर बच्चा डर गया। उसने बताया कि वह अपनी मां के साथ आया था और मां उसे स्टेशन पर छोड़कर सामान लाने के लिए बाहर गई हैं। शुक्रवार की देर रात स्टेशन पर कार्यरत आरपीएफ कर्मियों को बच्चे को स्टेशन के एक कोने में अकेले पड़ा देख संदेह हुआ। पूछताछ करने पर पता चला कि वह डिमापुर से आ रहा हैं और उसके साथ कोई नहीं हैं। इसके अलावा वह कुछ खास नहीं बता सका। बाद में आरपीएफ ने नाबालिग को गुवाहाटी स्टेशन पर चाइल्ड लाइन को सौंप दिया।

हिंसाग्रस्त बांग्लादेश : वापस लौट रहे छात्रों से पैसे वसूल रहे स्थानीय निवासी

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के चलते छात्रों का भारत लौटने का सिलसिला जारी है। उत्तर के फूलबाड़ी सीमा से भारतीय, नेपाली और भूटानी छात्र भारत लौट रहे हैं। इन छात्रों ने बांग्लादेश से वापस आने के खौफनाक अनुभवों को साझा किया है। रास्तों में रुकावटें और स्थानीय लोगों द्वारा पैसे वसूलने की घटनाएं आम हो गई हैं। इन पैसों की मदद से ही ये छात्र भारत में प्रवेश करने में सफल हो पाए हैं। शनिवार को सिलीगुड़ी पहुंची नेपाल की निवासी अस्मिता कार्की ने बताया कि वह बांग्लादेश के गोपालगंज में वेटनरी मेडिसिन की पढ़ाई कर रही थीं। हालांकि, उनके विश्वविद्यालय में कोई अशांति नहीं थी, लेकिन कर्फ्यू लागू कर दिया गया था। अस्मिता ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करने का प्रयास किया, लेकिन वे वहां रहने को लेकर डरे हुए थे। नेपाल के लगभग 10 छात्रों ने मिलकर एक गाड़ी बुक की और भारत लौटने का निर्णय लिया। मुख्य सड़कों के बजाय वे ग्रामीण रास्तों से वापस लौट रहे थे। लेकिन जगह-जगह स्थानीय लोगों ने सड़कों को अवरुद्ध कर रखा था और पैसे वसूल रहे थे। अस्मिता के अनुसार, गाड़ी को रोककर पैसे वसूले जा रहे थे। हमने भुगतान किया जिसके बाद हम वापस आ सके। नेपाल के एक और छात्र लालन ठाकुर, जो बी फार्मा की पढ़ाई कर रहे थे, उन्होंने भी भारत लौटने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, मुख्य समस्याएं शहरी क्षेत्रों में हो रही थीं लेकिन स्थिति और गंभीर हो जाने पर वे वहां फंस सकते थे, इसलिए वे भी वापस लौट आए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पिछले दो दिनों में चांगराबांधा सीमा से 46 मेडिकल छात्र भारत पहुंचे हैं। इनमें भारतीयों के साथ-साथ नेपाल, भूटान और मालदीव के छात्र भी शामिल हैं। वहीं, फूलबाड़ी सीमा से 20 छात्र लौटे हैं। इनमें से कुछ छात्र अपने रिश्तेदारों के यहां गए थे। स्थिति बिगड़ते ही वे दूसरों की बाइक पर सवार होकर वापस लौट आए। बांग्लादेश से अपने बेटे के साथ सिलीगुड़ी घूमने आए मोहम्मद कमालुद्दीन भी पिछले कुछ दिनों से घर से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। वहां मोबाइल इंटरनेट और वाई-फाई सेवाएं काम नहीं कर रही थीं। ऐसे में वे शनिवार को जल्दबाजी में वापस लौटे हैं।

उपराष्ट्रपति ने प्रख्यात कृषिविद कमला पुजारी के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ओडिशा की प्रख्यात कृषिविद आदिवासी महिला कमला पुजारी के निधन पर दुख जताया। 70 वर्षीय कमला पुजारी जैविक खेती में अपने योगदान और धान की सैकड़ों देशी किस्मों के संरक्षण के लिए जानी जाती थीं। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रसिद्ध कृषि कार्यकर्ता और पद्म पुरस्कार विजेता श्रीमती कमला पुजारी जी के निधन से दुखी हूं। सैकड़ों स्थानीय धान की किस्मों को संरक्षित करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

गौहाटी एचसी ने दिए बर्मीज सुपारी तस्करी की सीबीआई जांच के आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में बर्मीज सुपारी की लंबे समय से हो रही तस्करी के सिलसिले में गौहाटी उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच का आदेश दिया है। न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को म्यांमार से मिजोरम के चंफाई जिले से होकर भारत में होने वाली सुपारी की तस्करी के आरोपों की जांच करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने यह आदेश वनरामचुआंगी उर्फ रुआतफेला नू नामक व्यक्ति द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए दिया है। न्यायमूर्ति माइकल जोथानखुमा और न्यायमूर्ति मार्ली वानकुंग की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि तस्करी में फर्जी ई-वे बिल और जीएसटी प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा होने के कारण राज्य की पुलिस ने मामले की पूरी तरह से जांच करने में असमर्थता जताई है।

मंगलदै में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे शव बरामद

दरंग (हिंस)। मंगलदै में खारूपेटिया बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15 के किनारे फुटपाथ पर एक शव की बरामदगी को लेकर सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मंगलदै सिविल अस्पताल में भेज दिया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि व्यक्ति की मौत अत्यधिक गर्मी के कारण हुई होगी।

अधीर ने सोनिया को बताई अपनी पराजय की वजह, कहा-अल्पसंख्यकों ने हरा दिया

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने इसके लिए तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात के दौरान अधीर ने यह आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस के सूत्रों ने बताया है कि उन्होंने सोनिया गांधी को एक लिखित रिपोर्ट दी है जिसमें अल्पसंख्यक वोटो के ध्रुवीकरण का जिक्र है। उन्होंने पूरे राज्य सहित मुर्शिदाबाद की बहरामपुर लोकसभा सीट से भी अपनी हार के लिए भी इसी कारण को जिम्मेदार ठहराया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बंगाल में दो सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार यह संख्या घटकर एक रह गई। अधीर रंजन चौधरी अपनी परंपरागत सीट बहारामपुर से हार गए। अधीर ने सोनिया गांधी से मुलाकात में कहा कि तृणमूल ने उन्हें हराने के लिए एक मुस्लिम उम्मीदवार (तृणमूल के प्रत्याशी युसूफ पठान) को उतारा था, जिससे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण हुआ। अधीर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक राजनीति का प्रवेश हो गया है। पहले बंगाल ऐसी राजनीति से दूर था। मुझे हराने के लिए तृणमूल ने हिंसा का सहारा लिया। ममता बनर्जी का मुख्य लक्ष्य मुझे हराना था। मुझे सांप्रदायिक राजनीति का शिकार बनाया गया। अधीर की इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि मुर्शिदाबाद में लंबे समय तक काम करने के बावजूद अल्पसंख्यक वोट बैंक ने उनके वजाय अपने मजहब से जुड़े उम्मीदवार को चुनना पसंद किया। चौधरी ने यह भी दावा किया है कि तृणमूल ने प्रचार में एजेंसियों को किराए पर लेकर भाजपा के लिए हिन्दू वोट खींचने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी दलों ने गठबंधन कर मुकाबला किया, जिसमें कांग्रेस, सीपीएम, आप और डीएमके जैसे दल शामिल थे। लेकिन बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस के बीच कोई समझौता नहीं हो पाया। ममता ने स्पष्ट किया कि वह बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेगी। नतीजतन, तृणमूल ने 29 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने 12 सीटें जीतीं और वाम-कांग्रेस गठबंधन को केवल एक सीट पर संतोष करना पड़ा।

Apollo Hospitals, Chennai
Surgical Gastroenterologist
Apollo HOSPITALS
Dr Sudeepta Kumar Swain
MS, FMAS, DNB (Surgical Gastroenterology)
Consultation for Overweight/ Obesity, Abdominal Pain, Gall Bladder & Bile duct surgery, Pancreatic disease/ Tumors, Advanced Laparoscopic Surgery, Laparascopic Hernia Surgery, Piles & Fistula, Hernia, Colo Rectal Surgery etc
Visiting Guwahati on 4th August'2024
Apollo Hospitals Chennai Regional Office
House No. 76, Rajgarh Main Road
Opp. Byelane-10, Guwahati- 781003
Call: 84040-37649, 0361-3102669, 0361- 3102166

पृष्ठ एक का शेष

चराईदेउ मैदाम को...

से 28 किमी पूर्व में स्थित है। एनोम के पहले राजा चौ-लुंग सिउ-का-फा को उनकी मृत्यु के बाद सभी ताई-अहोम धार्मिक संस्कारों और अनुष्ठानों का पालन करते हुए चराईदेउ में दफनाया गया था। तब से, चराईदेउ में ताई-अहोम राजाओं, रानियों और राजकुमारों और राजकुमारियों को दफनाना एक आदर्श बन गया। उनके छह सौ साल के शासन के दौरान, यह स्थान एक पूजनीय और पवित्र स्थान बन गया। मैदाम का बाहरी भाग आकार में अर्धगोलाकार है और इनका आकार एक मामूली टीले से लेकर बीस मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ी तक भिन्न होता है, जो दफनाए गए व्यक्ति की शक्ति, स्थिति और संसाधनों पर निर्भर करता है। मैदाम में तीन प्रमुख विशेषताएं होती हैं, एक कक्ष की तिजोरी, एक अर्धगोलाकार मिट्टी का टीला जो कक्ष को ढकता है और उसके ऊपर वार्षिक भेंट के लिए ईंट की संरचना (चौ-चाली) होती है और टीले के आधार के चारों ओर एक अष्टकोणीय सीमा दीवार होती है जिसके पश्चिम में एक धनुषाकार प्रवेश द्वार होता है। हालांकि, छोटे मैदाम में उपरोक्त सभी विशेषताएं नहीं थीं।

शिक्षा मंत्री ने आर्ग्यूकॉम...

नए अपग्रेड किए गए शिवसागर विश्वविद्यालय, जिसे पहले शिवसागर कॉलेज (स्वायत्त) के रूप में जाना जाता था, के साथ विलय करने का निर्णय इन चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से लिया गया है। विलय में आर्ग्यूकॉम के संकायों को शिवसागर विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करना शामिल होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वर्तमान छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। समीक्षा बैठक में विलय के तौर-तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि एक सहज परिवर्तन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

राज्य के भविष्य ...

से 10,843 हेक्टेयर भूमि पुन: प्राप्त हुई है। इस तरह असम बदल रहा है! उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो सैकड़ों तटबंध टूट जाते थे, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो जाती थी। उन्हें ठीक करने में महीनों या सालों लग जाते थे। इस बार कुछ तटबंध टूटे हैं और उनमें से अधिकांश को दो सप्ताह में ठीक कर लिया गया है। हमारा लक्ष्य इससे भी बेहतर करना है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि सुधार करना हमारी शासन संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। उदाहरण के लिए, 2023 से मिली सीख के आधार पर, हमने अमृत बृक्ष्य 2.0 के लिए निर्णय लिया है कि हम पौधे नहीं खरीदेंगे, बल्कि खुद उगाएंगे। एक दिन में 3 करोड़ पौधे लगाने के बजाय, हम इसे 2 सप्ताह में फैलाएंगे।

उत्तर कन्नड़ में ...

गए हैं, तीन लोग अभी भी लापता हैं। वहीं उत्तर कन्नड़ के एसपी नारायण एम ने कहा कि भूस्खलन लगातार हो रहा है। प्रशासन की ओर से बचाव कार्य भी जारी है। उन्होंने कहा कि तीन लोग अभी भी लापता हैं। समस्या यह है कि वहां से नदी बहती है और भूस्खलन लगातार हो रहा है। हम लगातार कीचड़ साफ कर रहे हैं। बचाव कार्यों में हम जो भी प्रगति करेंगे, ब्रीफिंग प्रदान की जाएगी। यह एक बहुत ही संकीर्ण सड़क है। हम अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं। इधर, केंद्रीय मंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने उत्तर कन्नड़ के अंकोला में शिरूर गांव का दौरा किया, जो 17 जुलाई को लगातार बारिश के बाद बड़े पैमाने पर भूस्खलन से प्रभावित हुआ था। अंकोला क्षेत्र के कई निवासियों ने शुक्रवार को शिरूर गांव में देखभाल केंद्रों में शरण ली, क्योंकि क्षेत्र में भूस्खलन का कहर जारी है। क्षेत्र के लोगों के लिए आगे भी राहत मिलने की उम्मीद कम है। बेंगलुरु के क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने 20 जुलाई को उत्तर कन्नड़ जिले में बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि 21 जुलाई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसने 20 जुलाई के लिए शिमोगा, उडुपी और चिकमंगलूर के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है।

झारखंड में भाजपा ...

मतदाताओं की वृद्धि एक गंभीर समस्या हो गई है और यह सब राज्य सरकार के संरक्षण में हो रहा। उन्होंने चेतावनी देते हुए ऐसे अराजक तत्वों को कहा कि तीन महीने जितना फिलिस्तीन का झंडा उठाना है उठा लो, जितना हिंदुओ को गाली देना है दे लो, आगामी तीन महीने बाद झारखंड की भाजपा सरकार पाई-पाई का हिसाब करेगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने सहायक पुलिस कर्मियों को नौकरी तो नहीं ही दी, उन्हें चुनाव में ड्यूटी पर लगाकर पोस्टल बैलेट वोट से वंचित किया। उनके संवैधानिक अधिकार की हत्या की। संविधान और आरक्षण की बात करने वाली सरकार ने चौकीदार की नियुक्ति में एससी समाज का आरक्षण खत्म कर दिया। बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट से ज्यादा दिन तक राज नहीं किया जा सकता। झारखंड का आगामी चुनाव विधायक बनाने के लिए नहीं, बल्कि राज्य को बर्बादी से बचाने का चुनाव है। राज्य में परिवर्तन जरूरी है।

संसद का मानसून ...

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। वहीं ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और बीजेडी ने घोषणा की है कि वे संसद में मजबूत विपक्ष की भूमिका को निभाएंगे। साथ ही राज्य के मुद्दे उठाएंगे। उन्होंने अपने सांसदों से ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठाने को कहा है। वहीं कांग्रेस ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 51 फीसदी कम करने के विधेयक और नीट पेपर लीक मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। मानसून सत्र में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण और मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगीं। इसके अलावा इस सत्र में केंद्र के अधीन जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट को मंजूरी दी जाएगी। इस सत्र में वित्त विधेयक, आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, बॉयलर विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक को सरकार लाएगी। इसके अलावा सरकार बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और अन्य कानूनों जैसे बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1970 और बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन के प्रस्ताव लाएगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय एजेंडा तय करने वाली बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) का भी गठन कर दिया है। 14 सदस्यों वाली इस समिति की अध्यक्षता स्पीकर खुद करेंगे। स्पीकर की अध्यक्षता वाली समिति में सुदीप बंद्योपाध्याय (टीएमसी), पीपी चौधरी (भाजपा), लावु श्रीकृष्ण देवरायलू (टीडीपी), निशिकांत दुबे (भाजपा), गौरव गोगोई (कांग्रेस), संजय जयसवाल (भाजपा), दिलेश्वर कामैत (जेडी-यू), भर्तृहरि महताब (भाजपा), दयानिधि मारन (डीएमके), बैजयंत पांडा (भाजपा), अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी), कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), अनुराग ठाकुर (भाजपा) और लालजी वर्मा (एसपी) शामिल हैं।

अंधविश्वास होता है...

पहुंचना संभव नहीं है, इसलिए हर किसी को कदम दर कदम आगे बढ़ना होगा। इसलिए मूर्तियों के रूप में एक आकार बनाया जाता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मूर्तियों के पीछे एक विज्ञान है, भारत में मूर्तियों के चेहरे पर भावनाएं भरी होती हैं जो दुनिया में हर जगह नहीं मिलती हैं। राक्षसों की मूर्तियों में दर्शाया गया है कि वे किसी भी चीज को अपनी मुट्ठी में कसकर पकड़ लेते हैं। राक्षसों की प्रवृत्ति हर चीज को अपने हाथ में रखने की होती है। हम अपनी मुट्ठी में (अपने नियंत्रण में) लोगों की रक्षा करेंगे। इसलिए वे राक्षस हैं। लेकिन भगवान की मूर्तियां कमल को थामे हुए धनुष को भी थामे रहती हैं। उन्होंने कहा कि साकार से निराकार की ओर जाने के लिए एक दृष्टि होनी चाहिए। जो लोग आस्था रखते हैं, उनके पास दृष्टि होगी।

रांची में अमित...

दोनों युवक नशे में थे। हटिया के डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के काफिले का हिस्सा नहीं थे। वह तेज गति से बाइक चला रहा था और काफिले का पीछा कर रहा था, इसलिए हमने उसे हिरासत में लिया है। पता चला है कि पकड़े गए दोनों लोगों की पहचान हो गई है। इनमें एक शख्स का नाम अंकित और दूसरे का नाम मोहित है। केंद्रीय गृह मंत्री की सुरक्षा को भेदने वाले शख्स ने कहा कि वह कोई अपराधी नहीं है। उसे नहीं पता था कि किसका काफिला जा रहा था।

बांग्लादेश में हिंसा ...

और *समय* टीवी के अनुसार 43 लोग मारे गए हैं। *एसोसिएटेड प्रेस* के एक संवाददाता ने ढाका मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 23 शव देखे, लेकिन यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या उन सभी की मौत शुक्रवार को हुई थी। गुरुवार को प्रदर्शनकारी छात्रों द्वारा देश में *पूर्ण बंद* लागू करने के प्रयास के दौरान 22 लोगों की मौत हुई थी। मंगलवार और बुधवार को भी कई लोग मारे गए थे। राजधानी ढाका और अन्य शहरों में सड़कों व विश्वविद्यालय परिसरों में पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। अधिकारियों ने मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी लगा दी है। कुछ टेलीविजन समाचार चैनलों में भी कामकाज बंद हो गया है तथा अधिकांश बांग्लादेशी समाचार पत्रों की वेबसाइट नहीं खुल रही हैं। मृतकों की संख्या की पुष्टि करने के लिए अधिकारियों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका, लेकिन *डेली प्रथम आलो* समाचार पत्र की खबर में बताया गया है कि मंगलवार से अब तक 103 लोगों की मौत हुई है। ढाका में अमेरिका के दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि खबरों से पता चलता है कि बांग्लादेश में *सैकड़ों से लेकर संभवत : हजारों लोग* घायल हुए हैं। दूतावास ने कहा कि स्थिति *बेहद अस्थिर* है। देश में कर्फ्यू आधी रात से शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक इसमें ढील दी जाएगी ताकि लोग जरूरी सामान खरीद सकें। इसके बाद रविवार सुबह 10 बजे तक कर्फ्यू फिर से लागू रहेगा। सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के महासचिव और सांसद उबेद-उल-कादर ने बताया कि उपद्रवियों को *देखते ही गोली मारने* का आदेश जारी किया गया है। प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले पूर्व सैनिकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह प्रणाली भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुंचा रही है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पार्टी ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व किया था। छात्र चाहते हैं कि इसे योग्यता आधारित प्रणाली में तब्दील किया जाए। वहीं हसीना ने आरक्षण प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि युद्ध में भाग लेने वालों को सम्मान मिलना चाहिए भले ही वे किसी भी राजनीतिक संगठन से जुड़े हों।

कांवड़ रूट पर ...

इसके आसपास ही नहीं, बल्कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में जितने भी फल-सब्जी विक्रेता, ढाबों और होटलों के मालिक हैं, सबको कहा गया है कि वह अपने नाम का कार्ड अपनी दुकान, ढाबा या होटल पर चिपकाएं। मौलाना मदनी ने कहा कि अब तक हमारे पास ऐसी सूचनाएं पहुंची हैं कि बहुत से ढाबों और होटलों के मैनेजर या मालिक जो मुसलमान थे, कांवड़ यात्रा के दौरान उन्हें काम पर आने से मना कर दिया गया है। जाहिर है कि सरकारी आदेश के उल्लंघन का साहस कौन कर सकता है। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि देश के सभी नागरिकों को संविधान में इस बात की पूरी आजादी दी गई है कि वह जो चाहें पहनें, जो चाहें खाएं, उनकी व्यक्तिगत पसंद में कोई बाधा नहीं डालेगा, क्योंकि यह नागरिकों के मूल अधिकारों का मामला है। संविधान में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि देश के किसी नागरिक के साथ उसके धर्म, रंग और जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा और हर नागरिक के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से शासन-प्रशासन का जो व्यवहार सामने आया है, उसमें धर्म के आधार पर भेदभाव आम बात हो गई है, बल्कि अब ऐसा लगता है कि शासकों का आदेश ही संविधान है। मौलाना मदनी ने कहा कि यह कितनी दुखद बात है कि सरकार गठन के समय संविधान के नाम पर शपथ ली जाती है परन्तु शपथ लेने के बाद उसी संविधान को किनारे रख दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी धर्मों का आदर करते हैं और दुनिया का कोई धर्म यह नहीं कहता कि आप दूसरे धर्म के मानने वालों से नफरत करें। यह कोई पहली कांवड़ यात्रा नहीं है, लंबे समय से यह यात्रा निकलती आ रही है लेकिन पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी नागरिक को अपनी धार्मिक पहचान बताने के लिए विवश किया गया हो, बल्कि यात्रा के दौरान आम तौर पर देखा गया है कि मुसलमान जगह-जगह कांवड़ यात्रियों के लिए पानी और लंगर का आयाजन करते आए हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि यह पहली बार है कि इस प्रकार का आदेश जारी करके एक विशेष समुदाय को अलग-थलग करने के साथ-साथ नागरिकों के बीच भेदभाव और नफरत फैलाने का जानबूझकर प्रयास किया गया है।

डिराक में मिला ...

क्षेत्र में समुचित दोहन की चर्चा की। जानकारी के अनुसार मार्घेरीटा स्थित ओएन-94/1 ब्लॉक में और आयल और आईओसीएल के साथ साझेदारी में एचओईसी की संचालित डिराक क्षेत्र ने डिराक-1 कुएं में एक नए भंडार, सैंड-9 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। कुएं से प्रतिदिन 6 मिलियन यूनिट क्यूबिक फीट गैस के प्रवाह की रिपोर्ट की गई है। इस भंडार की पुष्टि करने और संभावित रूप से विस्तार करने के लिए आगे का उत्पादन परीक्षण चल रहा है।

प्रवासियों से भरी ...

थी। उत्तरी हैती में कैप हैतियन के तट पर नाव में आग लगने से कम से कम 40 प्रवासियों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि हैती के तट रक्षक बल ने 41 लोगों को बचाया और उन्हें अधिकारियों के सहयोग से आईओएम द्वारा चिकित्सा देखभाल, भोजन, पानी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्यारह लोगों को उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। हैती में आईओएम के प्रमुख ग्रेगोइरे गुडस्टीन ने कहा कि इस वर्ष पड़ोसी देशों द्वारा 86,000 से अधिक प्रवासियों को जबरन हैती वापस भेजा गया है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए सेना ने लगाए स्वास्थ्य शिविर

डिब्रूगढ़। देश की सुरक्षा के लिए सतर्क प्रहरी की भूमिका निभा रही भारतीय सेना ने दिनजान क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है। यह शिविर कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती समारोह के साथ-साथ अन्य सैन्य अधिकारियों के प्रकाशनों के संयोजन में दिनजान सैन्य स्टेशन में आयोजित किया गया था। शिविर में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ और कटाव पीड़ितों के लाभ के लिए स्वास्थ्य शिविर के लिए भारतीय सेना के प्रयासों की सराहना की। लगातार भारी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर से इन इलाकों में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसलिए, डॉव डिवीजन ने स्थानीय लोगों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाया है। उन्नत प्रयोगशालाओं और एक्स-रे सुविधाओं से सुसज्जित, विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की टीमों ने डेंगू और मलेरिया के लक्षणों के लिए लगभग 1,500 ग्रामीणों की जांच की है। चिकित्सकों की टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक सर्जन, सामान्य चिकित्सक और नेत्र रोग विशेषज्ञ भी शामिल थे। कुपोषण के लक्षणों के लिए बच्चों की भी जांच की जाती है। स्वास्थ्य जांच के अलावा जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के संबंध में जागरूकता वार्ता भी आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय लोगों, मरीजों और चिकित्सा कर्मियों से बातचीत की और शिविर के आयोजन और आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में भारतीय सेना के अभिनव प्रयासों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने दिनजान आर्मी कैंप मुख्यालय में पूरे बिंधाकाटा क्षेत्र में बाढ़ के संबंध में भारतीय सेना और जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में बाढ़ परिस्थिति की समीक्षा की

डिब्रूगढ़। डिब्रूगढ़ में हाल ही में आई कृत्रिम बाढ़ ने सामान्य जन जीवन को प्रभावित किया है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने मौजूदा स्थिति का जायजा लेने और सीवरेज प्रबंधन पहलू की समीक्षा करने के लिए आज डिब्रूगढ़ के नलियापुल इलाके का दौरा किया। सीएम ने आज मुख्यमंत्री से फोन पर बात भी की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई कर लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने अतिक्रमण सहित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए नागरिकों की बैठकों की भी वकालत की और अधिकारियों को विशेषज्ञों की राय और सलाह लेकर इन मुद्दों के स्थायी समाधान का मार्ग शीघ्र प्रशस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी जल्द ही डिब्रूगढ़ में कृत्रिम बाढ़ के कारणों का अध्ययन करेगा और एक मास्टर प्लान तैयार करेगा जिसके आधार पर सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कदम उठायेंगी. यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ डिब्रूगढ़ नगर निगम के मेयर चैकत पात्रा, जिला आयुक्त बिक्रम कैरी और अन्य अधिकारी और सहकर्मी भी थे।

अभाविप ने पद्मश्री द्रोण भुइयां और धर्मेश्वर नाथ ओझा को किया सम्मानित

दरंग (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दरंग जिले की सिपाझार, हजारिकापारा और पथरीघाट शाखाओं की पहल पर शनिवार को पूरे क्षेत्र के हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देने और पद्मश्री द्रोण भुइयां और धर्मेश्वर नाथ ओझा को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत स्वामीजी और सरस्वती माता के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। जिला समन्वयक पार्थप्रतिम बरुवा ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, असम प्रदेश के सांगठनिक सचिव अनूप कुमार उपस्थित रहे। लगभग तीन सौ छात्रों की उपस्थिति में, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षक चंद्रप्रसाद सैकिया और सिपाझार

निर्वाचन क्षेत्र के विधायक परमानंद राजबंशी ने छात्रों के समक्ष उद्देश्यपूर्ण वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संचालन रितुपर्ण कलिता और बितुपन बरुवा ने किया। छात्र कलाकार प्रियंका कलिता की उपस्थिति में और पदश्री गुरु द्रोण भुइयां, दरंगी कला और संस्कृति के साधक के साथ-साथ विष्णुराव पुरस्कार विजेता, धर्मेश्वर नाथ ओझा की इसमें उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी परिषद के दरंग जिले के कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे सिपाझार क्षेत्र की कार्यकारिणी की सराहना की गई।

पूसीरे की आरपीएफ ने नौ दलालों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) दलालों के सक्रियता को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से अभियान चला रहा है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सव्यसाची डे ने शनिवार को बताया कि इन अभियानों में 01 से 16 जुलाई तक अलग-अलग जोन में किए गए चेकिंग और अभियान में आरपीएफ ने 09 दलालों को पकड़ा। उनके पास से 2.21 लाख रुपये से अधिक मूल्य के रेल टिकट बरामद किए। इस दौरान पूसीरे की रेसुब ने यात्रियों के सामान की चोरी में शामिल 10 लोगों को भी पकड़ा और उनके पास से 1.91 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 12 कीमती मोबाइल सफलतापूर्वक बरामद किए गए। इस अवधि के दौरान पूसीरे के आरपीएफ ने दलालों को पकड़ने में आवश्यकतानुसार, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के सहयोग से छापेमारी की। अभियान और छापेमारी के दौरान, रेसुब की टीम ने 2 लाख 21 हजार 851 रुपये के 84 रेलवे ई-टिकट बरामद किए। इसके अलावा, यात्रियों के सामान की चोरी में शामिल आरोप में 10 लोगों को पकड़ा गया। इस दौरान पकड़े गए सभी व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम की संबंधित धारा के तहत मुकदमा चलाया गया। 02 जुलाई को एक घटना में, न्यू जलपाईगुड़ी की आरपीएफ और सीआईबी टीम ने संयुक्त रूप से न्यू जलपाईगुड़ी के स्थित पीआरएस काउंटर पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान, रेसुब की टीम ने एक व्यक्ति को पकड़ा और लगभग 48 हजार 383 रुपये मूल्य के 18 रेलवे ई-टिकट बरामद किए। इस संबंध में न्यू जलपाईगुड़ी में रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत उपरोक्त सभी मामलों के लिए संबंधित रेसुब चौकियों पर मामला दर्ज किया गया। 04 जुलाई को

आरपीएफ टीम ने सीपीडीएस और न्यू जलपाईगुड़ी की जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया और दो लोगों को पकड़ा तथा उनके पास से लगभग एक लाख रुपये के 04 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। बाद में, पकड़े गए व्यक्तियों को बरामद मोबाइलों के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए न्यू जलपाईगुड़ी के संबंधित जीआरपी प्रभारी को सौंप दिया गया। रेलवे टिकटों की अनधिकृत और अवैध खरीद पर कड़ी निगरानी रखने के अलावा, पूसीरे का रेसुब यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने कार्य एवं रेल उपयोगकर्ताओं को सेवाएं और सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर है। पूसीरे प्राधिकरण सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान समस्याओं से बचने के लिए उचित टिकट के साथ ही अपनी यात्रा करें। अगर रेल यात्रियों को अपनी ट्रेन यात्रा के दौरान कोई समस्या आती है तो वे 139 (टोल-फ्री) डायल कर सकते हैं।

देशभर के तेली राजनेताओं का अभिनंदन समारोह दो अगस्त को दिल्ली में

गुवाहाटी। असम प्रदेश तैलिक साहू महासभा के अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव रामलाल गुप्ता के अनुसार नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब, स्पीकर हॉल, राफी मार्ग में 2 अगस्त 2024 को दोपहर 12ः00 बजे से सर्व भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद का बैठक होना निश्चित हुआ है जिसमें अन्य मुद्दों के अलावा एक भव्य स्वागत समारोह भी आयोजित की गई है। इसमें तेली समाज के सभी सफल राजनेताओं का अभिनंदन किया जाएगा जिनमें उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास, भारत सरकार में राज्य मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सूरत से सांसद मुकेश दलाल, बिहार से राज्यसभा सदस्य श्रीमती डॉक्टर धर्मशिला गुप्ता, धनबाद से सांसद ढुल्लू महतो, राजस्थान से राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़, बागलकोट से सांसद पीसी गद्दीगोदार, छिंदवाड़ा से सांसद विवेक बंटी साहू, सीतापुर से सांसद राकेश राठौर, कसडोल से विधायक संदीप साहू जो राष्ट्रीय युवा प्रभारी भी हैं, बेमेतरा से विधायक दीपेश साहू, रायपुर ग्रामीण से विधायक मोतीलाल साहू, धमतरी से विधायक ओंकार साहू, भाटापाड़ा से विधायक इंद्र साव, बेगुनिया से विधायक प्रदीप कुमार साहू, जैजैपुर से विधायक बालेश्वर साहू, धर्मशाला उड़ीसा से विधायक हिमांशु शेखर साहू, जलेश्वर से विधायक श्रीमती अश्विनी कुमार पात्रा, खुज्जी से विधायक भोलाराम साहू, सिंगरौली से विधायक रामनिवास शाह, राजिम से विधायक रोहित साहू, अभनपुर से विधायक इंद्र कुमार साहू, पाली से विधायक भीमराज भाटी, पदवीधर से विधायक अभिजीत गोविंद राव वंजारी, महाराष्ट्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, महाराष्ट्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी महामंत्री विजयभाऊ चौधरी, तुमसूर से विधायक बाघमारे चरण गोविंदा, नागपुर पूर्व से विधायक कृष्ण खोपड़े, सूरत से विधायक पूर्णेश मोदी, समस्त गुजराती मोढ मोदी समाज के अध्यक्ष सोमाभाई मोदी, गाजीपुर से विधायक जय किशन साहू, छपरा से विधायक डॉक्टर सीएन गुप्ता, सहरसा से विधायक गूंजेश्वर साह, रिगा से विधायक मोतीलाल प्रसाद, बांका से विधायक राम नारायण मंडल, बेलसंड से विधायक संजय कुमार गुप्ता, मोरवा से विधायक रणविजय साहू जो बिहार तैलिक साहू सभा के अध्यक्ष भी हैं, नउतन से विधायक नारायण प्रसाद, चिरैया से विधायक लाल बाबू प्रसाद, हायाघाट से विधायक रामचंद्र प्रसाद, डोंगरगांव से विधायक दलेश्वर साहू, साजा बेमेतरा से विधायक ईश्वर साहू, परिहार से विधायक संजय कुमार गुप्ता का अभिनंदन शामिल है। इस कार्यक्रम के बाद भारतवर्ष के सबसे लोकप्रिय शक्तिशाली और सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री सम्माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी तथा राष्ट्र और भारतीयों के सशक्त रक्षक भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह से सौहार्द भेंट कर तेली समाज द्वारा देश और राष्ट्र हित में जाति से ऊपर उठकर किए जा रहे सामाजिक उत्थान के कार्यों का विवरण दिया जाएगा और आगे भी केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर समाज और देश के भलाई के लिए समर्पित भाव से सेवा करने का वचन दिया जाएगा तथा गत लोकसभा चुनाव में पिछड़े वर्ग की उदासीनता पर भी चर्चा की जाएगी।

शिमलिटोला बाजार में मोबाइल चोर को पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

नगरबेड़ा (विभास)। नवागत शिमलिटोला थाना अंतर्गत शिमलिटोला साप्ताहिक बाजार में एक मोबाइल चोर को पकड़कर बाजार प्रबंधन समिति के हवाले कर दिया गया। यह पता चला है कि गोवालपारा मायलापाथार के रूपसन अली के रूप में पहचाने जाने वाले गिरफ्तार चोर ने बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के आलोपटि चर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सुखवरझार के आमिर अली का मोबाइल फोन चुरा लिया था। मोबाइल चोर को बाद में नवागत

शिमलिटोला बाजार प्रबंधन समिति द्वारा पुलिस को सौंप दिया गया है।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थानाक्षेत्र में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम ने अभियान चलाकर ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वशिष्ठ थानाक्षेत्र के बालूघाट इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 के किनारे चलाए गए अभियान के दौरान उक्त ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर की पहचान चंदन छेत्री उर्फ कांछा (36, गोलाघाट) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से हेरोइन से भरी 27 शीशियां बरामद की गई। जिसका वजन 34.5 ग्राम आंका गया है। हेरोइन के अलावा एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपी के पास एक मोबाइल फोन और नगद दो हजार 110 रुपये बरामद किया है।

एनटीपीसी बंगाईगांव की संयुक्त मेगा मॉक ड्रिल का आयोजित

बंगाईगांव (हिंस)। आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक सक्रिय कदम के रूप में एनटीपीसी, बंगाईगांव ने आज सफलतापूर्वक एक संयुक्त मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया। सीआईएसएफ के कमांडेंट जीएम थांगजोम की देखरेख में आयोजित व्यापक अभ्यास में भूकंप, क्लोरीन रिसाव और बाढ़ परिदृश्य की तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह अभ्यास प्लांट परिसर के बाहर नए प्रशासनिक भवन में शुरू हुआ, जिसमें असम को केंद्र मानकर एक बड़े भूकंप की स्थिति का अनुकरण किया गया। यह अभ्यास एनटीपीसी-बंगाईगांव की आपदा प्रबंधन योजना का हिस्सा था। इसमें यथार्थवादी परिदृश्य शामिल थे, जिसमें 7 आरएस भूकंप की तीव्रता का अनुकरण शामिल था, जिससे नकली स्थल पर महत्वपूर्ण संरचनात्मक प्रभाव पड़ सकते थे। यह अभ्यास सुबह 10 बजे शुरू हुआ और

मुख्य घटना नियंत्रक अखिलेश सिंह, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी बंगाईगांव, इंदुरी एस रेड्डी, जीएम (ओएंडएम), आशुतोष विश्वास, जीएम (ऑपरेशन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की सतर्क निगरानी में आयोजित किया गया। सीआईएसएफ ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कर्मचारियों को तुरंत सूचित किया और नकली भूकंप के 15 मिनट के भीतर बचाव अभियान शुरू कर दिया। प्रतिक्रिया टीमों ने सतही हताहतों की रिकवरी, रस्सी बचाव तकनीक और अन्य रणनीतिक रिकवरी का प्रदर्शन करते हुए असाधारण समन्वय और दक्षता का प्रदर्शन किया। एनटीपीसी बंगाईगांव में सीआईएसएफ (फायर) के सहायक कमांडेंट एमएस कंडारी ने टीम को घटना के बारे में जानकारी दी और आपातकालीन प्रतिक्रिया की गतिशीलता को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करते हुए ड्रिल का सुचारू समन्वय सुनिश्चित किया। सीआईएसएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने भूकंप के सिमुलेशन के कुछ ही मिनटों के भीतर कर्मचारियों को सूचित करने और बचाव अभियान शुरू करने में तत्परता दिखाई। ऑपरेशन में रस्सी से बचाव, सतह पर घायलों को निकालना और तत्काल चिकित्सा हस्तक्षेप शामिल थे। भूकंप सिमुलेशन के बाद, ड्रिल में क्लोरीन रिसाव परिदृश्य और एनटीपीसी जलाशय में बाढ़ जैसी स्थिति को शामिल किया गया, जिससे आपातकालीन टीमों की अनुकूलन क्षमता और दक्षता का और परीक्षण किया गया। अभिनव बचाव तकनीकों और बाढ़ सुरक्षा उपायों का प्रदर्शन किया गया, विशेष रूप से एनडीआरएफ द्वारा, जिसने सार्वजनिक तैयारियों के लिए *देसी जुगाड़* बाढ़ सुरक्षा वस्तुओं का प्रदर्शन किया। अभ्यास दोपहर 12.30 बजे सीआईएसएफ के उप कमांडेंट कुमार और कंडारी, एसी/फायर द्वारा फायर स्टेशन पर विस्तृत जानकारी के साथ संपन्न हुआ। अखिलेश सिंह ने सुधार के विभिन्न क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया प्रदान की, यह सुनिश्चित करते हुए कि अभ्यास से सीखे गए सबक भविष्य की प्रतिक्रिया रणनीतियों में एकीकृत किए जाएं। इस मॉक ड्रिल ने न केवल संभावित आपदाओं से निपटने में एनटीपीसी बंगाईगांव की टीमों की तैयारियों को मजबूत किया, बल्कि अपने कर्मियों और आसपास के समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

एसएसबी के महानिरीक्षक ने प्रथम वाहिनी का किया दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी स्थित प्रथम वाहिनी सोनापुर का दौरा किया। सर्वप्रथम कमांडेंट सुनील कौशिक एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वाहिनी के प्रांगण में स्वागत किया गया। इसके उपरांत उन्होंने शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका सम्मान किया या गया। उन्होंने वाहिनी परिसर, कार्यालय ब्लॉक और यूनिट अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने वाहिनी परिसर के अंदर नवनिर्मित शिवलिंग का उद्घाटन तथा पौधारोपण किया। इस दौरान वर्मा ने सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया, जिसमें उनहोने परिसर क्षेत्र को अच्छी तरह से बनाए रखने के लिए यूनिट के कमांडेंट और

कर्मियों की प्रशंसा की और शारीरिक दक्षता को बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने ऑनलाइन जुआ ऐप्स, अनावश्यक व्यक्तिगत ऋण लेने और वित्तीय प्रबंधन के बारे में भी सभी जवानों को जागरूक किया उसके पश्चात महानिरीक्षक ने सभी जवानों के साथ खाना खाया और कार्यक्रम का समापन उनको स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया।

असम में दुर्लभ मछली प्रजाति के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार : अधिकारी

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक दुर्लभ प्रजाति की मछली जब्त की गई। वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी शुक्रवार रात को काजीरंगा रेंज मुख्यालय और हल्दीबाड़ी बीट कार्यालय के वन कर्मियों द्वारा विशेष सूचना के आधार पर चलाए गए तलाशी अभियान के बाद की गई। अभियान के दौरान एक वाहन के अंदर चार जीवित *चन्ना बार्का* मछलियां पाई गईं। कार और मछलियों को जब्त कर लिया गया और चालक को हिरासत में ले लिया गया। पड़ोसी नागांव जिले से गिरफ्तार व्यक्ति पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 और वन्यजीव संरक्षण (असम संशोधन) अधिनियम, 2009 की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। चन्ना बार्का, जिसे असमिया में *चेंग गरका* के नाम से भी जाना जाता है, सर्प सिर मछली की एक दुर्लभ प्रजाति है, जो भारत के पूर्वोत्तर और बांग्लादेश में ऊपरी ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में पाई जाती है। यह मछली आम तौर पर आर्द्रभूमि की परिधि के साथ मीटर-गहरे ऊर्ध्वाधर बिलों में रहती है। मानसून के दौरान, जब भूजल स्तर बढ़ता है, तो मछली शिकार और प्रजनन के लिए बाहर निकलती है।

शिलांग में आचार्य प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

गुवाहाटी। विद्या भारती से संबद्ध मेघालय शिक्षा समिति द्वारा 20 से 27 जुलाई तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ श्रीकांची कामकोटि विद्या भारती विद्यालय शिलांग में हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान की निदेशक डॉ नीता महेस्कर उपस्थित हुई। समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष प्रो शांताराम जोशी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य योगेन्द्र सिंह सिसोदिया, विद्या भारती नगालैंड के संगठन मंत्री पंकज सिन्हा, मेघालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष रिनोह्मो सुन्गोह का मार्गदर्शन प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त हुआ। प्रांत स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में मेघालय में संचालित औपचारिक विद्यालयों के आचार्यों सहित एकल विद्यालय योजना के

आचार्यों ने भी प्रतिभाग किया। डॉ. नीता ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों को पुस्तकी जानकारी के अतिरिक्त ज्ञानाधारित एवं अनुभवजन्य होना चाहिए। विद्या भारती मेघालय के प्रभारी कार्यकर्ता विकाश शर्मा ने उपस्थित पदाधिकारियों का परिचय सहित स्वागत एवं सम्मान किया। गारो विभाग निरीक्षक कमल कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

चाय जनजाति के नेता का अपमान कर रहे हैं मुख्यमंत्री : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। सांसद तथा लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा चाय जनजाति के सबसे कद्दावर नेता पवन सिंह घटवार का लगातार अपमान करते आ रहे हैं। गौरव गोगोई शनिवार को राजधानी के सर्वे स्थित अपने आवास पर एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बगैर किसी आधार के लगातार घटवार जैसे वरिष्ठ नेता का अपमान करते आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चाय जनजाति के लोगों की उपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि चाय जनजाति के नेता रामेश्वर तेली का भाजपा में अपमान किया गया है। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि राज्य मंत्री बनाए गए पवित्र मार्घेरिटा की तुलना में कामाख्या प्रसाद तासा वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बीते लोकसभा चुनाव के मौके पर भाजपा ने सांप्रदायिकता की राजनीति करने की हर संभव कोशिशें की, लेकिन देश की जनता ने संप्रदाय की भावनाओं से ऊपर उठकर मतदान किया। गौरव गोगोई ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में असम की जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री तथा भाजपा पर कई आरोप लगाए।

संपादकीय

स्थानीय आरक्षण की सियासत

न जाने क्यों कर्नाटक सरकार को 'स्थानीय आरक्षण' वाला विधेयक फिलहाल स्थगित करना पड़ा! कर्नाटक सरकार की नीयत और उसके मंसूबे विधेयक में साफ झलकते हैं, जिसे राज्य कैबिनेट ने पारित किया था। पारित विधेयक भारतीय संविधान की भावना और उसका अक्षरशः उल्लंघन है, क्योंकि अनुच्छेद 19 (1) के तहत देश का प्रत्येक नागरिक, देश के किसी भी हिस्से में, कारोबार या नौकरी कर, अपनी आजीविका कमा सकता है। किसी भी क्षेत्र की भाषा, जाति, धर्म और राज्यवाद उस पर प्रतिबंध नहीं थोप सकते। इसी तरह स्थानीय भाषा और नागरिकता के आधार पर आरक्षण तय करना भी 'असंवैधानिक' है। कर्नाटक कैबिनेट ने जो बिल पारित किया था, उसके मुताबिक निजी क्षेत्र के उद्योगों, फैक्टरियों और अन्य कंपनियों में प्रबंधकीय श्रेणी के पदों पर 50 फीसदी आरक्षण कन्नड़भाषी लोगों के लिए होगा। गैर-प्रबंधकीय पदों के लिए कन्नड़वालों के लिए 75 फीसदी आरक्षण होगा। सरकार से 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' तभी मिलेगा, जब इस आरक्षण की पुष्टि हो जाएगी। कन्नड़ भाषा का ज्ञान, कन्नड़ परिवार में जन्म आदि शर्तें आरक्षण के लिए अनिवार्य हैं। यदि किसी पद के लिए पात्र, योग्य, कुशल कर्मचारी न मिले, तो यह दायित्व भी कंपनी का होगा कि वह अपात्र व्यक्ति को भी अपने साथ रखे और तीन साल के अंतराल में प्रशिक्षित करे। रोजगार और नियुक्ति कन्नड़वाले को ही मुहैया की जाएगी। दरअसल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी का गढ़ है। वहां 67,000 से ज्यादा देशी-विदेशी आईटी कंपनियां काम कर रही हैं। उन कंपनियों में नौकरी सिर्फ योग्यता के आधार पर मिलती है, क्योंकि काम ही तकनीकी और प्रौद्योगिकी का है। बेंगलुरु में देश के अन्य क्षेत्रों और विदेशों से भी लोग आईटी की नौकरी करने आते हैं और बेंगलुरु के युवा विदेशों में भी नौकरी करने जाते हैं। क्या ऐसे क्षेत्र में आरक्षण तर्कसंगत है? बेंगलुरु के अलावा मुंबई हमारे देश का नंबर एक महानगर है, जहां देश के कोने-कोने से लोग नौकरी करने आते हैं। वहां मराठा के नाम पर ऐसा आरक्षण नहीं है कि अन्य भारतीयों के लिए दरवाजे बंद कर दिए जाएं। कर्नाटक कोई पहला राज्य नहीं है, जहां कैबिनेट ने 'स्थानीय आरक्षण' का बिल पारित किया है। इससे पहले आंध्रप्रदेश (2019) और हरियाणा सरकार (2020) अपने भाषायी और स्थायी नागरिकों के लिए 70-75 फीसदी आरक्षण का कानून बना चुकी हैं। बीते साल नवंबर में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने स्थानीय आरक्षण की व्यवस्था और कानून को खारिज कर दिया था। आंध्र उच्च न्यायालय ने भी स्थानीय आरक्षण को 'असंवैधानिक' करार दिया है, जबकि यह बिल आंध्र विधानसभा में मई, 2019 में पारित किया जा चुका था। दरअसल यह भी आरक्षण के बुनियादी मुद्दे सरीखा है। यह भरपूर सियासत भी है। सरकारें स्थानीय आरक्षण को इसलिए लागू करना चाहती हैं, क्योंकि वे अपने मतदाता को रोजगार मुहैया कराना चाहती हैं। यह लाभ उन्हें बाहर के लोगों से नहीं मिल सकता, लेकिन सवाल यह भी है कि कन्नड़वाले बाहर के क्षेत्रों में भी काम करने जाते हैं। हरियाणा के असंख्य लोग दिल्ली और अन्य शहरों में व्यापार करते हैं, नौकरियां करते हैं। क्या उन सभी को प्रतिबंधित किया जा सकता है? यह अवधारणा भी संविधान के खिलाफ है। दरअसल बेरोजगारी पूरे देश की भीषण समस्या है। सरकारों और राजनीतिक दलों के लिए गंभीर चुनौती है। अब भी बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 9 फीसदी के करीब है, जो भयानक है। ऐसे आरक्षण से देश में इंस्पेक्टर राज की वापसी भी हो सकती है, क्योंकि नौकरशाहों को जिम्मेदारी दी जाएगी कि औसत कंपनी में कितने स्थानीय कर्मचारी हैं अथवा नहीं हैं। जिस आयाम को नजरअंदाज किया जाता रहा है, वह है-निजी क्षेत्र पर प्रभाव। अब तक यह साफ हो चुका है कि भारत में केंद्र या राज्य सरकारें देश के बेरोजगार युवा को नौकरी या रोजगार देने में असमर्थ हैं, लिहाजा समाधान के तौर पर निजी क्षेत्र की ओर देखा जा रहा है। स्थानीय आरक्षण के लगातार दबाव से उन शहरों की गतिशीलता और उत्साह या प्रगतिशीलता भी ठंडी पड़ेगी, जो नई प्रौद्योगिकी के हब बने हुए हैं। सियासत के अलावा कोई और रास्ता निकाला जाए, ताकि रोजगार भी मिलें और निजी क्षेत्र पर भी उलटा असर न पड़े।

कर्नाटक सरकार की नीयत और उसके मंसूबे विधेयक में साफ झलकते हैं, जिसे राज्य कैबिनेट ने पारित किया था। पारित विधेयक भारतीय संविधान की भावना और उसका अक्षरशः उल्लंघन है, क्योंकि अनुच्छेद 19 (1) के तहत देश का प्रत्येक नागरिक, देश के किसी भी हिस्से में, कारोबार या नौकरी कर, अपनी आजीविका कमा सकता है। किसी भी क्षेत्र की भाषा, जाति, धर्म और राज्यवाद उस पर प्रतिबंध नहीं थोप सकते। इसी तरह स्थानीय भाषा और नागरिकता के आधार पर आरक्षण तय करना भी 'असंवैधानिक' है। कर्नाटक कैबिनेट ने जो बिल पारित किया था, उसके मुताबिक निजी क्षेत्र के उद्योगों, फैक्टरियों और अन्य कंपनियों में प्रबंधकीय श्रेणी के पदों पर 50 फीसदी आरक्षण कन्नड़भाषी लोगों के लिए होगा। गैर-प्रबंधकीय पदों के लिए कन्नड़वालों के लिए 75 फीसदी आरक्षण होगा।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश

अमेरिका के सशक्त लोकतंत्र में हिंसा

प्रमोद भार्गव

दुनिया के सबसे सफल माने जाने वाले लोकतंत्र में अराजकता का साम्राज्य में हिंसा हिलोरे मार रही है। अमेरिका के पेन्सिलवेनिया में 13 जुलाई 2024 शनिवार की सुबह 6:10 बजे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी सभा अचानक गोलियों की आवाज से गूंज उठी। ट्रंप हमलावर के निशाने पर थे, बंदूक की गोली उनके दाएं कान को भेदती हुई निकल गई। गोली लगते हुए 78 वर्शीय ट्रंप झुक गए और तुरंत अपने आत्मबल की प्रेरणा से मुट्ठी लहलराते हुए खड़े हुए और बोले, 'फाइट, फाइट' ! एक नेता की इतनी दिलेरी ने सभा में उपस्थित स्तब्ध रह गए मतदाताओं में जान फूंक दी और वे यूएस, यूएस के नारे लगाकर अपनी जिंदादिलि का परिचय देने लग गए। दुनिया के सबसे सषक्त लोकतंत्र माने जाने वाले अमेरिकीयों ने ट्रंप के प्रति जो समवेत सहानुभूति जताई है, उससे कहा जा सकता है कि ट्रंप का चुनावी पलड़ा भारी होने जा रहा है। दरअसल वर्तमान में जितने भी लोकतांत्रिक देष हैं, वे संप्रदायिक वर्चस्व और हिंसा से ग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। इसलिए इन देषों में नस्लीयता और स्थानीय जातीय वर्चस्व बढ़ रहा है। अतएव स्थानीय लोग बाहरी प्रवासियों से मुक्ति के उपाय भी तलाषने के लिए उग्र दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप पर हमला इस आशय का कारण भी हो सकता है ? हालांकि ट्रंप के हमलावर को सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल मार गिराया, इसलिए उसकी मंशा को अब जान पाना संभव नहीं रहा।

दक्षिणपंथी ट्रंप ने अपने सोषल मीडिया मंच 'ट्रूथ सोषल' पर लिखा भी है कि ' भगवान ने ही वह सब होने से रोक लिया, जिसके बारे में सोचा भी नहीं था। ऐसे समय में यह अधिक महत्वपूर्ण है कि हम एकजुट रहे और अमेरिकियों के तौर पर अपना मूल चरित्र बनाए रखें। हम मजबूत और दृढ़ संकल्पित बने रहें और बुराई को न जीतने दें। हम डरेंगे नहीं। मैं जुझारू बना रहूंगा। इस पोस्ट से स्पष्ट है कि ईश्वरवादी टंâप अमेरिकी लोगों के बुनियादी चरित्र को उकसा कर स्थानीय लोगों के वोट का ध्रुवीकरण कर रहे हैं। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि 'हत्या के इस प्रयास की हर किसी को निंदा करनी चाहिए। हम ऐसा नहीं होने देंगे। अमेरिका में इस तरह की हिंसा पहले कभी नहीं हुई और न ही यहां हिंसा को कोई जगह मिलने वाली है।' अमेरिकी मीडिया ने अमेरिका में निर्मित हुए वर्तमान हालातों को समझते हुए ठीक ही कहा है कि 'यह भयावह क्षण है और देष के लोकतंत्र के समक्ष राजनीतिक हिंसा से उत्पन्न होने वाले खतरे की गंभीर चेतावनी है।' दरअसल अमेरिका में ये हालात दोनों दलों के प्रमुख नेताओं और उनके समर्थकों द्वारा नस्लभेद और हिंसा से जुड़े भड़काऊ बयान देने के कारण उत्पन्न हुए हैं। ट्रंप बंदूक लॉबी के समर्थक रहे है। सत्ता में आने के बाद बाइडेन प्रशासन ने बंदूक संस्कृति पर अंकुश लगाने के प्रावधान किए हुए हैं। ट्रंप ने इसी साल फरवरी में आयोजित एक रैली में वचन दिया था कि वे यदि राष्ट्रपति बनते हैं तो इस अंकुश को हटा देंगे।

हालांकि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा कोई नई बात नहीं है। जब बाइडेन टंâप को हराकर चुनाव जीते थे तब 7 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी संसद में बाइडेन की जीत पर मोहर लगने के साथ यूएस कैपिटल में घुसकर हिंसक हमला बोल दिया था। अमेरिकी संसद के इतिहास में यह जो काला अध्याय जुड़ा था, उसी की यह प्रतिक्रिया स्वरूप की गई पुनरावृत्ति भी हो सकती है ? अमेरिका में राश्ट्रतियों पर जानलेवा हमले भी कोई नई बात नहीं है। 14 अप्रैल 1865 को अमेरिका के पहले राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की हत्या कर दी गई थी। 2 जुलाई 1881 को राष्ट्रपति गारफील्ड के पदभार ग्रहण करने के छह माह बाद हत्या कर दी गई थी। 14 सितंबर 1901 को विलियम मैककिनले को न्यूयॉर्क में गोली मार दी गई थी। 22 नवंबर 1963 को जॉनएफ कैनेडी की डलास में हत्या कर दी गई थी और अब मैथ्यू सुरक्षा की सभी दीवारें तोड़ महज 120 मीटर दूरी से एक घर की छत से ट्रंप पर हमला बोलने में सफल हो गए। भाग्यवादी ट्रंप बाल-बाल बच गए, इसे वे ईष्वर की अनुकंपा बता रहे हैं। साफ है, अमेरिका में विचारों अथवा व्यक्तित्व की खूबियों की वनिस्वत बंदूक की गोलियों से अराजकता और दहषत फैलाने का सिलसिला इस देश के लोकतंत्र बनने के समय से ही चल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप पर ये हमला ऐसे समय हुआ है, जब मुकाबले में वे बाइडेन पर भारी पड़ते दिखाई देने लगे थे। इससे लगता है कि हमलावर उनकी जीत के पक्ष में नहीं था। परंतु अब ट्रंप के जिंदा बच जाने से उनकी जीत की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं। पॉली मार्केट के सर्वे में ट्रंप की जीत अब 70 प्रतिषत बताई जा रही है। अब ट्रंप को अपनी ही पार्टी में निक्की हेली और चेनी से भी रही सही चुनौती लगभग खत्म हो गई है। अब जो रिपब्लिकन पार्टी का अदिवेषन होने वाला है, उसमें ट्रंप को पार्टी की ओर से राश्ट्रपति पद के लिए आधिकारिक प्रत्याषी घोशित करने की उम्मीद बढ़ गई है। ऐसा होने के बाद ट्रंप को चुनाव खर्च के लिए धन खर्च करने की सीमा बढ़ जाएगी और उनके समर्थकों की संख्या भी उनके ईद-गिंद मंडारने लगेगी। वस्तुतः अमेरिका का एक बड़ा समुदाय ट्रंप के हर अतिवादी निर्णय का प्रबल समर्थक दिखाई देगा। ट्रंप राश्ट्रवाद की धारणा को आगे बढ़ाने और मूल अमेरिकियों के हित साधने की पैरवी न केवल अपने पिछले कार्यकाल में करते रहे हैं, बल्कि कानून बनाकर उन्हें साधने का काम भी किया था। बावजूद वे आर्थिक विशमता की खाई को नहीं पाट पाए थे। आज अमेरिकी वासियों के हालात इतने बद्तर हैं कि पांच करोड़ से भी ज्यादा लोग खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। 31.5 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में हर छठा व्यक्ति और चैथा बच्चा भूखा है।

बहरहाल खरबों के कारोबारी ट्रंप को इस चुनौती से यदि राष्ट्रपति बन जाते तो एक बार फिर जूझना होगा ?

अमेरिका की कुल जनसंख्या 31.50 करोड़ है, इस आबादी की तुलना में उसका भू-क्षेत्र बहुत बड़ा, यानी 98,33,520 वर्ग किमी है। इतने बड़े भू-लोक के मालिक अमेरिका के साथ विडंबना यह भी रही है कि 15वीं शताब्दी तक इसकी कोई स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में पहचान नहीं थी। दुनिया केवल एशिया, यूरोप और अफ्रीका महाद्वीपों से ही परिचित थी। 1492 में नई दुनिया की खोज में निकले क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका की खोज की।

दृष्टि कोण

संसद नई, परंतु शासन पुराना

भारत के हालिया संसदीय चुनावों के विषय में कहा गया था कि इन्होंने देश का लोकतंत्र बचा लिया। प्रधानमंत्री मोदी के शासन की सत्तावादी शैली की आलोचना करने वाले कई भारतीयों का मानना था कि चूंकि भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो चुकी है, इसलिए वह अन्य दलों के प्रति अधिक संयमित और उदार होंगे। लेकिन नए राजनीतिक समीकरण के कुछ ही दिनों के भीतर, संसदीय कार्यवाही और सरकारी कार्रवाइयों से पता चलता है कि भारत एक 'चुनावी निरंकुशता' बना हुआ है, जहां चुनाव होते हैं लेकिन शासन निरंकुश है। यह लेबल 2021 में स्वीडन के वी-डेम इंस्टीट्यूट द्वारा भारत को दिया गया था। संसद में मोदी सरकार के नए गठबंधन सहयोगी, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू), जिनके बीच 28 सीटें हैं, भाजपा के साथ पूरी तरह से कदम मिलाकर चलने लगे हैं। जब एक कट्टर भाजपा नेता ओम बिड़ला को फिर से लोकसभा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया तो उनकी ओर से एक आवाज भी नहीं उठी। वे उस समय भी कदमताल करते दिखे जब बिड़ला ने सदन के रिकॉर्ड से विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे पर हमला करने वाली टिप्पणी को हटाने का फैसला किया। विपक्षी नेताओं के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई राज्यसभा में भी की गई, जो हाल के चुनावों से अप्रभावित थी और भाजपा के वफादार, उपाध्यक्ष धनखड़ की अध्यक्षता में पहले की तरह काम कर रही है। नई मोदी सरकार पिछली सरकार से भिन्न नहीं है। वफादारों को प्रमुख विभागों को सौंपा गया है, और शीर्ष चार मंत्रालयों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अमित शाह को फिर से गृह, निर्मला सीतारमण को वित्त, एस. जयशंकर को विदेश, राजनाथ सिंह को रक्षा सौंपा गया है। आठ कैबिनेट समितियों का पुनर्गठन किया गया, लेकिन मोदी लगभग सभी के शीर्ष पर बने हुए हैं। अगर मोदी के आलोचक

चुनाव के बाद एक विनम्र व्यक्ति की उम्मीद करते हैं, तो ऐसे कोई संकेत नहीं हैं। ''मोदी अभी भी मजबूत हैं'', उन्होंने पिछले हफ्ते संसद में दो घंटे के भाषण में घोषणा की। उन्होंने कहा, ''मैं भारत के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि न मोदी डरने वाला है और न ही उसकी सरकार।'' ऐसा दबंग बयान उल्लेखनीय है क्योंकि हाल के चुनाव परिणामों को दुनिया भर में मोदी की प्रतिष्ठा के लिए एक गंभीर झटके के रूप में देखा गया था। उनकी पार्टी ने न केवल अपनी 303 लोकसभा सीटों में से 92 सीटें खो दीं, बल्कि फैसला व्यक्तिगत हार भी था क्योंकि भाजपा का पूरा अभियान उनके इर्द-गिर्द ही बुना गया था। चुनावों ने मोदी के मुख्य विरोधी कांग्रेस पार्टी के राहुल गांधी के नेतृत्व में एक नए-नवेले गठबंधन के रूप में मरणासन्न विपक्ष को भी पुनर्जीवित किया। परिणामों से मोदी के आलोचकों में उम्मीद जगी थी क्योंकि ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के बहुलवाद का एक प्रभावशाली प्रदर्शन थे जिन्होंने उन्हें गठबंधन बनाने के लिए विवश किया। उनकी भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अब 14 अलग-अलग दलों के समर्थन पर निर्भर है, जिनमें से अधिकांश के पास केवल एक या दो संसदीय सीटें हैं। टीडीपी और जेडीयू दो क्षेत्रीय दल गठबंधन के सबसे बड़े सहयोगी हैं। लेकिन भारत में अच्छे चुनाव परिणाम जरूरी नहीं कि सुशासन में तब्दील हों, क्योंकि हमारी सरकार की प्रणाली स्वाभाविक रूप से सत्तावादी है। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रणाली के विपरीत, भारत की संसदीय प्रणाली कार्यकारी और विधायी शक्तियों को अलग-अलग नहीं करती है, या राज्य और स्थानीय सरकारों को स्वतंत्र नियंत्रण नहीं देती है, या संसद सदस्यों को अपनी पार्टियों के खिलाफ मतदान करने की अनुमति नहीं देती है। इसके बजाय, यह प्रधानमंत्री को सर्वशक्तिमान बनाती है, जो कानूनों, जांच एजेंसियों, पार्टी तंत्र, करदाताओं के पैसे आदि के साथ मनमाने ढंग से कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं। भारत ने जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के रूप में सर्वशक्तिमान प्रधानमंत्री पहले भी देखे हैं। एक सर्वशक्तिमान प्रधानमंत्री को गठबंधन द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है, खासकर जब गठबंधन के सहयोगी एनडीए की तरह छोटे और क्षेत्रीय हों। टीडीपी और जेडीयू दोनों ही अपनी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के लिए केवल धन और समर्थन हासिल करने में रुचि रखते हैं।

कुछ अलग

आहत बापू के बोल...

आज हमारे बीच गांधी होते तो रंज और मलाल से अपना सिर पकड़ लेते। आज न तो उनके अनशन की पूछ होती और न ही सत्याग्रह चल पाता। घोटालों की बाढ़ में उनके कुछ भी समझ में नहीं आता कि वे क्या करें या क्या न करें? ऐसी सरकार जिसमें बेमियादी अनशन करने वालों को खुद ही अनशन तोडना पड़े तो गांधी बेचारे आखिर करते भी क्या? गूंगी और बहरी बनी सरकार गांधी की गलफांस बन जाती। इस नक्कारखाने में लंगोटी वाले की सुनता भी कौन? मैं खुद आहत हूं, पसोपेश में हूं। गांधी चौक पार्क में जाकर गांधी की प्रतिमा के सामने खड़ा हो गया। अपलक उन्हें देखता रहा, आवाज आई – ''क्यों बेटा क्या बात है? मुझे जिस काल में कोई देखना नहीं चाहता, ऐसे में तुम अपना आहत हृदय लेकर क्यों वक्त बरबाद कर रहे हो?'' ''बाबा, देश का क्या होगा?'' मैंने प्रश्न किया तो मंद मुस्कान के साथ आवाज आई - ''किसका देश और कौनसा देश?'' ''बापू आपका भारतवर्ष।'' मेरे यह कहने पर प्रतिमा ने उत्तर दिया - ''यह तुम्हारा वहम है बेटा।

भारत नहीं, यह अंग्रेजों का इंडिया बन गया है फिर से। भारत होता तो उसके सिद्धांत और संस्कृति का चलन होता। बेटा भारत बहुत पीछे छूट गया है। देशभक्ति का जज्बा आज है किसमें? सब इसे बेतहाशा गति से लूट रहे हैं। अब यह सोने की चिडिया नहीं रहा है। दूध-दही की नदियां नहीं बहती अब। चाय को राष्ट्रीय पेय बनाने की बहस चल रही है।

बूचडख़ानों में रोज हजारों गायों की हत्याएं हो रही हैं। इसलिए दुखी होने से क्या फायदा। जाओ तुम भी इसी भीड़ में शामिल हो जाओ।'' मैं बोला -''नही बापू, इस देश को रास्ता दिखाओ, वरना यह तो आत्मघात की ओर बढ़ रहा है।'' ''बेटा, मैंने अन्ना नाम का एक बूढ़ा भेजा था, लोग उसे बेवकूफ बनाकर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं और उसकी किसने सुनी।

जंतर-मंतर से वह भी चला गया। राजघाट आया, तब मैंने उससे कहा था -''अन्ना, मत सिरफोड़ी करो। जाओ गांवों में गरीबों की सेवा करो। लेकिन टीम के बहाने आए लोग ही सत्ता सुख के सपने देखने लगे। उसकी दशा आज मेरी जैसी ही है। आहत होकर पड़ा है। निर्णय लेने की क्षमता इस मारामारी और आपाधापी के युग में खत्म हो गई है।'' ''तो बापू, मैं क्या करूं? मैं बहुत दुखी हूं। यहां का एक साधारण आम गरीब हूं। पेट की आग शांत करने का मार्ग सुझाओ।'' मैंने पूछा तो बापू बोले- ''गरीब हो, यह मेरा और तुम्हारा दुर्भाग्य है। गरीबी हटाओ के कार्यक्रमों में तुमने देख ही लिया। नेता सब हड़प जाते हैं। गरीब रोते हैं। जिस देश का नेता भ्रष्ट हो, उसे भला कौन संभाल सकता है।

जाओ अपने घर। मैं क्या बताऊं पेट की आग बुझाने का मार्ग!'' मैंने देखा बापू की प्रतिमा से दो बूंद अश्रु ढुलक पड़े। बोले -''बेटा मुझे जगह-जगह पूरे देश में खड़ा कर दिया गया है। मेरे आदर्श आज धूल चाट रहे हैं। जाओ, अपने घर जाओ। हां, आत्महत्या मत करना, इतनी सी मेरी तुमसे प्रार्थना है।'' गांधी इसके बाद मौन हो गए। मैं बहुत देर तक उन्हें देखता रहा, लेकिन वे बोले कुछ नहीं।

देश दुनीया से

अब होगा नगद ईनाम वितरण समारोह

पिछली भाजपा की जयराम सरकार ने राज्य के खिलाडिय़ों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते गए पदकों की ईनामी राशि को काफी सम्मानजनक स्तर तक तो जरूर बढ़ाया है, मगर पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह का आयोजन नहीं हो पाया था। कांग्रेस सरकार को भी चुने हुए दूसरा वर्ष भी आधा खत्म हो रहा है, मगर यह सरकार भी अब राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित करने जा रही है।

देर बाद ही सही, नगद ईनाम बांट समारोह आयोजित करने के लिए विभिन्न जिला खेल अधिकारियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के नाम खिलाडियों से लेकर हिमाचल प्रदेश खेल परिषद को भेज दिए हैं और अब पंद्रह अगस्त को हिमाचल प्रदेश सरकार ईनाम बांट समारोह करने जा रही है। पिछली भाजपा की जयराम सरकार ने राज्य के खिलाडियों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते गए पदकों की ईनामी राशि को काफी सम्मानजनक स्तर तक तो जरूर बढ़ाया है, मगर पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह का आयोजन नहीं हो पाया था। कांग्रेस सरकार को भी चुने हुए दूसरा वर्ष भी आधा खत्म हो रहा है, मगर यह सरकार भी अब राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित करने जा रही है। हां, यह अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए बजट में ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता की नगद ईनामी राशि को तीन करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए, रजत पदक की दो करोड़ रुपए को तीन करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के एक करोड़ रुपए को दो करोड़ रुपए तक बढ़ाया है। एशियन व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के नगद ईनाम में भारी बढ़ोतरी कर एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता के पचास लाख रुपए को चार करोड़ रुपए, रजत के बीस लाख रुपए को अढाई करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के बीस लाख रुपए को डेढ़ करोड़ तथा राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत के लिए दो करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए तक बढ़ा कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को बहुत बड़ी सौगात दी है। जब विक्रमादित्य सिंह खेल मंत्री थे तो उन्होंने राज्य के लिए नई खेल नीति लाने की बात की थी, जिससे खिलाडियों को अधिक लाभ होगा, वह भी पूरा हो रहा है। दशक पूर्व जब हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अंतरराष्ट्रीय खेलों के पदाधिकारियों की ईनामी राशि को लाखों से करोड़ों में किया था, तो उसके बाद हरियाणा में खिलाडियों व उनके अभिभावकों ने अपने बच्चों का कैरियर खेलों में तलाशना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड, जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू करने का क्रांतिकारी कदम उठाकर सरकार ने स्कूली विद्यार्थियों की फिटनेस को ध्यान में रखने को तो जरूर कहा है, मगर वह धरातल पर कहीं भी दिख नहीं रहा है। सरकार ने स्कूली स्तर पर खिलाडियों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए समय सीमित कर दिया है, जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडियों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है। सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडियों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडियों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करे। हिमाचल की सुक्खू सरकार ने राज्य में खेलों के लिए ऐतिहासिक फैसले लेकर खिलाडियों व खेल प्रेमियों को खुश कर दिया है, जैसे आशा थी कि जुलाई के उपचुनावों के बाद जल्दी ही प्रदेश के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल को गौरव दिलाने वाले पदाधिकारियों के लिए नगद ईनाम बांट समारोह का आयोजन सरकार द्वारा कर दिया जाएगा, वह भी हो रहा है। खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा। ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है, क्योंकि खिलाड़ी सें उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है, मगर कांग्रेस सरकार की इस ईनाम बढ़ोतरी में प्रशिक्षक को मिलने वाले नगद ईनाम पर चुप्पी क्यों है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव ने विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते, तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता? विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है।

आप का नजरीया

कैडर कितने कोस का

कैडर की पड़ताल में कुछ विभाग अपनी रूपरेखा में स्तरोन्नत होना चाहते हैं, लेकिन विसंगतियों का ढर्रा चैन का बिगुल फूंकने नहीं देता। अभी पटवारी-कानूनगो की जिम्मेदारियों का आकलन राज्यस्तरीय करने का बीड़ा ही उठाया है कि सारा विभाग अपने दारोमदार में फंस गया। राजस्व विभाग जितना पारंपरिक है, उतना ही स्थानीय भी है, इसलिए फर्ज की हिदायतें जिला कैडर की सीमा में पल्लवित होती रहीं। राज्य कैडर के विरोध में संयुक्त पटवारी-कानूनगो एसोसिएशन ने ऑनलाइन सेवाओं का बहिष्कार कर दिया है और यह सीधे-सीधे आम आदमी की फरियादों के खिलाफ मुहिम बन रहा है। किसान, बागबान, युवा तथा जीवन के अनेक कार्यों में, राहत पाने की उम्मीद में राजस्व विभाग की अर्जियां शर्मिंदा हैं क्योंकि विभाग का संघर्ष अपने कैडर से है। आखिर सरकारी भूमिका है, फिसल सकती है या जनता के गुरूर को तोड़ सकती है। विभागीय गुणवत्ता के अक्स में सरकारें शिद्दत से लगी हैं, लेकिन मेहनताना है कि वर्षों से पूरा नहीं हो रहा। कैडर तो एचआरटीसी में होता है, जहां जनता की मंजिलों पर नौकरी का पैमाना और यात्रा का नक्शा होता है। किसी बस का चालक या परिचालक मीलों की लंबाई में अगर कैडर हो जाए, तो अपने राज्य के अलावा दिल्ली पहुंचने से पहले वे पंजाब और हरियाणा के अलावा दिल्ली के कैडर बन सकते हैं। अगर कुल्लू से चला शहतीर कांगड़ा पहुंच जाए, तो उसके ऊपर मोहर लगाने वाले का कैडर कहां तक पहुंच जाएगा। राज्य में कैडर बनाम सुविधा तो है नहीं इसलिए कुछ कार्यालय व पद ऐसे भी बना दिए गए जहां प्रशासनिक अधिकारी भी आराम से होम डिस्ट्रिक्ट में पसर जाते हैं। यहां सवाल यह भी कि पटवारी-कानूनगो का पद है कितने कोस का। यह सही है कि अब तक इनकी नियुक्तियों का आधार जिलों तक हुआ, मगर अब तो सैन्य सेवाओं की भर्ती भी राज्य के कोटा में होती है तो क्या सैनिक प्रदेश की छावनियों तक सिमटे रहें। बेशक राजस्व विभाग में स्थानीय बोली का तर्क मान लिया जाए कि संवाद में आसानी होगी, लेकिन जरा परचे की भाषा का अनुवाद करके बता देना कि इस भाषा से आम आदमी का क्या लेना-देना होता है। कई विभागीय प्रणालियों की दुरुस्ती के लिए यह जरूरी है कि राज्य स्तरीय कार्य संस्कृति का प्रसार हो। मसला कैडर का बन रहा है, जबकि होना यह स्थानांतरण नीति के साथ चाहिए। आज राज्य और जिला कैडर का महत्त्व गौण है और गौण हैं ट्रांसफर ऑडर। गौण तो दायित्व भी है क्योंकि कुछ विभाग केवल निचले स्तर पर, आउट सोर्स पर या नेताओं की फरमाइश पर चल रहे हैं। जल शक्ति विभाग और जनता के बीच सारे परमार्थ फिटर के हिस्से आ गए, क्योंकि उससे बड़े व आला अधिकारियों को यह भी मालूम नहीं 'पानी आए कहां से और जाए कहां रे'। उन्हें फील्ड का अता पता नहीं। कुछ यही हाल बिजली महकमे का भी है जहां बुझते बल्ब की निशानी में, कोई लाइन मैन दीपक बन कर जुगनूं की तरह जल रहा है, लेकिन अधिकांश कर्मचारी अब अपने कार्यालय में हस्ताक्षर नहीं करते, बल्कि अपने ही गांव के परिधि में रहते हैं। महकमे और भी हैं और हर दिशा में हैं, लेकिन एक स्थायी स्थानांतरण कैडर बन चुका है, जिसे सिर्फ यह मालूम है कि किस तरह अपने गृह क्षेत्र की परिधि में हमेशा पांव पसारे रखने हैं।

भाजपा विधायक पर डॉक्टर की किडनैपिंग और मारपीट का केस दर्ज : व्यापारियों ने बाजार बंद किया

श्रीगंगानगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी विधायक जयदीप बिहाणी के खिलाफ एक डॉक्टर ने किडनैपिंग और मारपीट का मामला दर्ज कराया है। डॉक्टर का आरोप है कि बिहाणी उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी से नाराज थे। एफआईआर के मुताबिक घटना 17 जून की है। वहीं, विधायक के खिलाफ केस होने के बाद स्थानीय व्यापारी संगठन एमएलए बिहाणी के समर्थन में उतर आए और शनिवार को बाजार बंद रखा। इस मामले पर विधायक की प्रतिक्रिया अब तक नहीं आई है। पीड़ित डॉक्टर श्याम सुंदर अरोड़ा के भाई का दावा है कि मारपीट में बुरी तरह घायल होने के कारण उन्हें बठिंडा एम्स में भर्ती कराया गया है। अरोड़ा श्रीगंगानगर में ही हौम्योपैथी क्लीनिक चलाते हैं। डॉ.श्याम सुंदर अरोड़ा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि 17 जून को विधायक बिहाणी के पीए मनीष गर्ग का फोन आया। उसने कहा, मैं रामदेव कॉलोनी से दवा लेने आया हूं, आप अपने क्लीनिक आ जाइए। मैं क्लीनिक पहुंचा तो बाहर जीप खड़ी थी। मनीष गर्ग वहीं खड़ा था। अंदर पेशेंट एरिया में पार्षद संजय बिश्नोई, संदीप घोड़ेला, मनीष प्रजापत और एक अन्य व्यक्ति बैठे थे। अरोड़ा ने कहा कि अंदर कुर्सी पर बैठते ही मनीष गर्ग ने एक फेसबुक पेज आईडी *सतयुग की नींव* दिखाई। मनीष ने इस पेज पर की गई एक पोस्ट दिखाकर पूछा कि क्या ये पोस्ट तुमने की है? मैंने मना किया तो मनीष ने दोबारा पूछा कि पोस्ट तुमने नहीं की तो तुम्हारे पीछे कौन सा नेता है। इसके बाद वे लोग मुझसे क्लिनिक में ही मारपीट करने लगे। उन्होंने मुझे पिस्तौल दिखाई और दयानंद मार्ग पर विधायक के मकान के सामने एक ऑफिस के ऊपरी हिस्से में ले गए। वहां पूर्व पार्षद हरविंद्र पांडेय भी मौजूद था। अरोड़ा ने कहा कि कुछ देर में वहां विधायक जयदीप बिहाणी आए। विधायक के इशारे पर मुझसे फिर मारपीट की गई। विधायक ने भी मुझे पिस्तौल दिखाई। वे लोग करीब एक घंटे तक मेरे साथ मारपीट करते रहे। इसके बाद विधायक बिहाणी ने पुलिस को फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची और मुझे घायल हालत में होने के बावजूद अस्पताल ले जाने की बजाए पहले मेरी क्लीनिक पर लाई। यहां बिखरा सामान ठीक करवाया और क्लीनिक लॉक करवाया। वहां से पुलिस कोतवाली थाने ले गई। बाद में मेरे भाई के आग्रह पर मुझे अस्पताल ले जाया गया। श्रीगंगानगर शहर के वार्ड 38 की पार्षद बबीता गौड़ के बेटे एडवोकेट अमन गौड़ ने बताया-16 जून को विधायक का बर्थडे था। इसके तीन-चार दिन बाद डॉ. श्याम सुंदर ने सोशल मीडिया फेसबुक पर विधायक के खिलाफ एक कमेंट किया था। इसमें कहा था कि विधायक होने के बाद भी आपने श्रीगंगानगर के लिए क्या किया? इससे विधायक नाराज

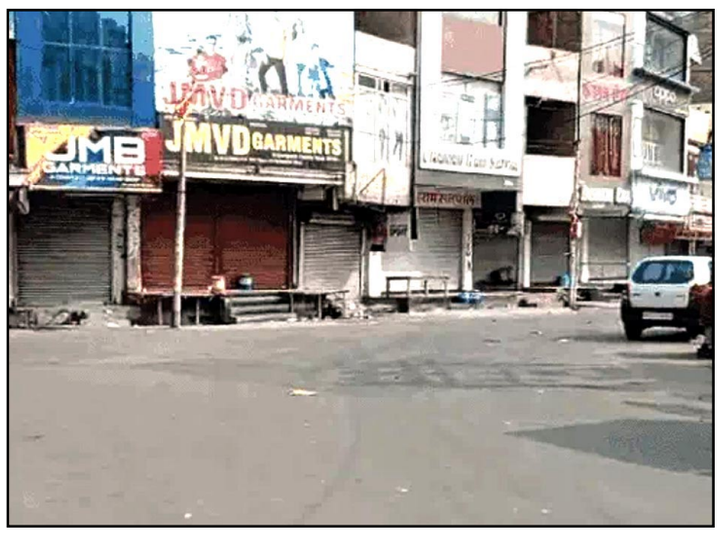

हो गए थे। 20 दिन पहले श्याम सुंदर को किडनैप किया गया और बुरी तरह पीटा गया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में रामलीला मैदान स्थिति क्लिनिक को बंद करा दिया गया। गौड़ परिवार डॉ. श्याम सुंदर का पड़ोसी है। शहर की विनोबा बस्ती में रहने वाले डॉ. श्याम सुंदर अरोड़ा के भाई एडवोकेट कुलभूषण ने बताया कि वे गंभीर रूप से चोटिल हैं। बठिंडा (पंजाब) के एम्स में उनका इलाज चल रहा है। दूसरा भाई प्रवीण उनके साथ हैं। डॉ. श्याम सुंदर को बुरी तरह पीटा गया था। फोन पर प्रवीण से बात की तो उन्होंने बताया-मैं अभी बठिंडा में बड़े भाई डॉ. श्याम सुंदर के साथ हूं। वे गंभीर हैं। डॉक्टर श्याम सुंदर के खिलाफ पूरा शहर हो गया है। शहर के व्यापारी मीटिंग कर रहे हैं। केस वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। ऐसे में अरोड़ा परिवार डरा हुआ है। संयुक्त व्यापार मंडल अध्यक्ष तरसेम गुप्ता ने बताया कि मामले की चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही थी। मैं और अन्य व्यापारी कोतवाली थाने पहुंचे, लेकिन वहां एसएचओ पृथ्वीपाल सिंह नहीं मिले। मुकदमे के खिलाफ एसपी ऑफिस पर प्रदर्शन करेंगे। गुप्ता ने बताया कि विधायक पर होम्योपैथी संस्थान चलाने वाले डॉक्टर श्याम सुंदर ने केस दर्ज कराया है। गुप्ता ने कहा कि हमारी मांग है कि विधायक पर दर्ज मुकदमा वापस लिया जाए। वहीं, संयुक्त व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेश शर्मा ने कहा कि ये मामला एक महीने पुराना है। रातों-रात मुकदमा दर्ज किया गया। झूठे मुकदमे से विधायक की छवि खराब करने की कोशिश की है।

राज्य सरकार पर्यटन को लेकर योजना भेजें, सकारात्मक विचार होगा : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान सरकार पर्यटन को लेकर योजना बनाकर भारत सरकार को भेजे। निश्चित रूप से उस पर सकारात्मक रूप से विचार होगा। शेखावत शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया के एकल खिड़की व्यवस्था न होने के चलते जोधपुर में पर्यटकों की कमी के सवाल पर उन्होंने कहा कि एकल खिड़की और परमिशन इसका एकमात्र कारण नहीं है। ये विभिन्न कारणों में से एक हो सकता है, लेकिन किस तरह से राजस्थान में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ें। घरेलू और विदेशी, दोनों पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो। एक्सपीरियंशियल टूरिज्म की संभावना बढ़ें। पर्यटन की संभावनाओं में हम किस तरह से बढ़ोतरी कर सकते हैं। राजस्थान सरकार के साथ बातचीत कर उसे अब आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन हमारे संविधान में राज्य का विषय है। राज्य सरकार को इस पर योजना बनाकर प्राथमिक रूप से भारत सरकार को भेजना होगा। निश्चित रूप से हम उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे।

झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को गुमराह कर रहे कांग्रेस नेता : नायब सैनी

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का काम करते हैं। कांग्रेस नेता प्रदेश में घूम-घूम कर हिसाब मांग रहे हैं, जबकि कांग्रेस की केंद्र और राज्य में वर्षों तक सरकार रही लेकिन उनके समय में एससी-बीसी वर्ग के हितों का हनन होता था, उनका शोषण होता था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को नजदीकी गांव आर्यनगर में आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब हम गरीबों का शोषण नहीं होने देंगे, उन्हें मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब के बेटे को प्रदेश के मुखिया की जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस के नेता बताएं कि क्या वे पिछड़ा वर्ग को इतना सम्मान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में पर्ची-खर्ची के साथ युवाओं को नौकरियां मिलती थी लेकिन हमारी सरकार में बिना पर्ची-बिना खर्ची के मैरिट पर युवाओं को नौकरियां मिली हैं। आज गरीब के घर के बच्चे भी हरियाणा में अधिकारी लग रहे हैं, जिन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास रहा है कि सभी वर्गों के लोग आगे बढ़ें, सभी का उत्थान हो और सभी को बराबर के हक मिलें। इस दिशा में सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन के अनुरूप विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जो किन्ही कारणों से पिछड़े रह गए थे। सरकार ने पिछड़ा वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने कहा कि जो समाज समय-समय पर अपने पूर्वजों को याद नहीं करता, वो समाज उन्नति नहीं कर सकता। महाराजा दक्ष प्रजापति को याद करते हुए उन्होंने कहा कि महाराज दक्ष इस जगत के रचयिता ब्रह्माजी के 10 पुत्रों में से एक थे। वे कला में माहिर और समाज के अग्रणी और गौरवशाली थे। प्रदेश सरकार ने महापुरुषों को याद करने के लिए सरकारी स्तर पर उनकी जयंती को मनाने का काम शुरू किया है, जो समाज में जागृति लाने का काम करता है। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने के निर्णय लेने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने पिछड़ों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए है। उन्होंने कहा कि पहली बार हरियाणा प्रदेश सरकार की तरफ से गुरु दक्ष जयंती मनाई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने गुरु पूर्णिमा को लेकर परमहंस आश्रम का किया निरीक्षण

मीरजापुर (हिंस)। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने गुरु पूर्णिमा को लेकर सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम के वरिष्ठ संत नारद महाराज से सुरक्षा संबंधी वार्ता की। आश्रम निरीक्षण के दौरान नारद महाराज को बताया कि गुरु पूर्णिमा महापर्व पर लाखों संत महात्मा, श्रद्धालु आते हैं। महिलाओं के लिए महिला सुरक्षाकर्मी व श्रद्धालु हेतु सादे कपड़े में पुलिस तैनात हैं। पुलिस अधीक्षक के साथ में एडीएम वित्त व राजस्व शिव प्रकाश शुक्ल ने भी आश्रम का निरीक्षण किया। बताया कि गुरु पूर्णिमा के लिए परमहंस आश्रम सक्तेशगढ़ पूरी तरह तैयार है। नारद महाराज ने बताया कि गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को पूरे विश्व में बड़े ही धूमधाम से मनाई जाएगी। सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम पर भी गुरु पूर्णिमा महापर्व पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं, संत महात्माओं, ऋषियों-मुनियों की सुविधा संबंधित सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई-मित्र एवं आधार केंद्रों पर कार्रवाई के लिए प्रदेश भर में चलेगा सघन अभियान

जयपुर (हिंस)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि प्रदेश भर में सघन अभियान चलाकर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले आधार केंद्रों एवं ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए प्रदेश में संचालित सभी ई-मित्रों और आधार केंद्रों की जांच की जाएगी तथा आधार मशीनों की वार्षिक रिपोर्ट मंगाकर उनका भी परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ई-मित्र संचालकों द्वारा नि:शुल्क सेवाओं तथा सशुल्क सेवाओं की राशि की जानकारी केंद्र के बाहर लिखा जाना अनिवार्य किया जाएगा, ताकि आमजन से सेवाओं का अधिक शुल्क नहीं वसूला जा सके। संसदीय कार्य मंत्री रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी द्वारा इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए मामले पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सीमावर्ती जिलों में संचालित अधिकृत आधार केंद्रों द्वारा फर्जी आधार कार्ड बनाया जाना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बेहद गंभीर मामला है। राज्य सरकार द्वारा ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 21 जून, 2024 को फर्जी दस्तावेजों एवं बायोमेट्रिक का उपयोग कर फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की खबर प्रकाशित होने पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली से आधार कार्ड के संबंध में जांच करवाई गई। पटेल ने बताया कि सांचौर जिले में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई -मित्र संचालकों के विरुद्ध 2 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें से एक प्रकरण में जांच के दौरान आधार कार्ड का नामांकन रजिस्ट्रार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधीन कार्यरत ऑपरेटर कन्हैयालाल की आई डी से होना पाया गया। प्रकरण में संलिप्त ई -मित्र एवं आधार संचालकों के खिलाफ 21 जून 2024 को पुलिस थाना सरवाना, जिला सांचौर में पुलिस प्राथमिकी संख्या-63 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। पटेल ने कहा कि इस प्रकरण में अनुसंधान सीबीआई को स्थान्तरित किए जाने के लिए अधिसूचना एवं आवश्यक सूचनाएं अनुरोध पत्र के साथ केंद्र सरकार को भेज दी गई हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में नामजद आरोपी तोगाराम, गणपत सिंह व कन्हैया लाल फरार हैं, जिनकी तलाश कर गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। सांचौर जिले के दूसरे प्रकरण में चितलवाना थाने में मुकदमा संख्या 209/2023 दर्ज कर आरोपी मनोहर लाल को 21 जून 2024 को अपराध प्रमाणित पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। अन्य अभियुक्त विकास निवासी राजीवनगर, रमेश निवासी सांगवड़ा एवं सुनील निवासी चितलवाना की गिरफ्तारी शेष है एवं मामले का अनुसंधान जारी है। उन्होंने बताया कि सांचौर जिले में ई-मित्र संचालकों एवं आधार केंद्रों पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी ई-मित्र या आधार केंद्र संचालक के फर्जी आधारकार्ड बनाने में संलिप्तता पाए जाने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी। पटेल ने जानकारी दी कि बाड़मेर एवं जालोर में आधार केंद्रों द्वारा फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने के संबंध में कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है और इस दिशा में सतत निगरानी जारी है। उन्होंने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा तकनीकी स्तर से की गई जांच के बाद 14 आधार ऑपरेटर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

हरियाणा में कचरे से बनेगी बिजली

गुरुग्राम व फरीदाबाद में लगेंगे देश के सबसे बड़े प्लांट

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा में कचरे से चारकोल बनाने वाले प्लांट (ग्रीन कोल प्लांट) स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना अपनी तरह की पहली हरित परियोजना होगी, जिसे हरियाणा के फरीदाबाद और गुरुग्राम में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शनिवार को चंडीगढ़ में केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा की उपस्थिति में एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएनएल) तथा नगर निगम, गुरुग्राम और फरीदाबाद के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कचरे से चारकोल बनाने वाले प्लांट (ग्रीन कोल प्लांट) स्थापित करने के लिए नगर निगम फरीदाबाद की आयुक्त ए.मोना श्रीनिवास व नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त नरहरि सिंह बांगड़ और एनवीवीएनएल की ओर से सीईओ रेनू नारंग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन हरियाणा के लिए बड़ा महत्वपूर्ण दिन है, जब ग्रीन चारकोल बनाने के लिए प्लांट के लिए एमओयू हुआ है। समझौते के अनुसार, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन),

एनटीपीसी लिमिटेड की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गुरुग्राम और फरीदाबाद में वेस्ट टू चारकोल प्लांट स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम के बंधवाड़ी में तथा फरीदाबाद के मोठूका में लगभग पांच सौ-पांच सौ करोड़ रुपए की लागत से हरित कोयला प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इन दोनों प्लांटों में गुरुग्राम और फरीदाबाद शहरों में एकत्रित 1500-1500 टन प्रतिदिन (टीपीडी) कचरे को चारकोल में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि इन दोनों प्लांटों के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद नगर निगमों द्वारा 20-20 एकड़ जमीन दी जाएगी और एनटीपीसी द्वारा जल्द ही जमीनों का कब्जा लेकर प्लांट स्थापित करने का कार्य आरंभ कर दिया जाएगा, जिनके लगभग 30 माह में पूरा होने की संभावना है। ये दोनों प्लांट पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित होंगे। मुख्यमंत्री सिंह सैनी ने कहा कि इससे गुरुग्राम और फरीदाबाद शहर कचरा मुक्त बनेंगे। भविष्य में शहरों में कचरे के ढेर से भी मुक्ति मिलेगी। गुरुग्राम व फरीदाबाद में वेस्ट-टू-ग्रीन कोल प्लांट स्थापित करने से न केवल कचरे की समस्या का स्थायी समाधान होगा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी वृद्धि होगी। इससे पहले, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता ने परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ते शहरीकरण के दौर में लगातार कचरा का निस्तारण एक बड़ी चुनौती बन रही है। एनवीवीएनएल की सीईओ रेनू नारंग ने वेस्ट-टू-चारकोल प्लांट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में वाराणसी में एनटीपीसी द्वारा 600 टन प्रतिदिन कचरे से वेस्ट-टू-चारकोल बनाने का प्लांट संचालित किया जा रहा है। हरियाणा में स्थापित होने वाले ये दोनों प्लांट भारत में सबसे बड़े होंगे। इनकी सफलता के बाद अन्य शहरों में भी इस तकनीक को स्थापित करने का विचार है।

कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को ईडी ने हिरासत में लिया

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को दिल्ली से ईडी टीम ने हिरासत में लिया है। इसके बाद उन्हें अंबाला कोर्ट में पेश किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, अवैध खनन मामले में यह कार्रवाई की गई है। सुरेंद्र पंवार के घर 4 जून को ईडी ने छापा मारकर जांच की थी, जिसमें टीम कई कागजात अपने साथ ले गई थी। सूत्रों के अनुसार, अदालत के बाहर से ही ईडी की टीम ने उन्हें हिरासत में लिया। बाद में उन्हें सोनीपत लाया गया और उसके बाद अंबाला ले जाया गया। कांग्रेस नेता इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बता रहे हैं। टीम उन्हें शुक्रवार की रात को सोनीपत स्थित उनके आवास पर लेकर पहुंची। शनिवार को उन्हें अंबाला के जिला कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने कोर्ट से विधायक की 14 दिन की रिमांड मांगी, लेकिन कोर्ट ने 9 दिन की रिमांड मंजूर की। अब सुरेंद्र पंवार 29 जुलाई तक ईडी की हिरासत में रहेंगे। ईडी के वकील

ने बताया कि सुरेंद्र पंवार पर 25 करोड़ रुपए की मनी लांड्रिंग का आरोप है। उनके खिलाफ 8 मामले दर्ज हैं, जिनमें से एक मामला ईडी ने जनवरी 2024 में दर्ज किया था। सात महीने पहले ईडी की टीम ने विधायक सुरेंद्र पंवार के सोनीपत स्थित घर पर छापा मारा था। सुरेंद्र पंवार का हरियाणा के साथ राजस्थान में भी खनन कारोबार है। 4 जनवरी को ईडी की टीम ने उनके सोनीपत में सेक्टर-15 स्थित आवास पर छापा मारा था, जहां 36 घंटे तक जांच चली थी। जांच के दौरान टीम ने मनी लांड्रिंग से जुड़े दस्तावेज बरामद किए थे। उसी दिन, ईडी की टीम ने यमुनानगर के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के ठिकानों पर भी छापा मारा था। उनके महाराणा प्रताप चौक के पास ऑफिस, सेक्टर-18 में खनन एजेंसी के ऑफिस और कलेसर में फार्म हाउस की जांच की गई। उनके करीबियों के घर और ऑफिस पर भी टीम पहुंची थी। पिछले साल सुरेंद्र पंवार ने गैंगस्टर के नाम पर धमकी मिलने की शिकायत दी थी और इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसके बाद वह काफी चर्चा में आए थे।

सर्वेक्षण कार्यक्रम सरकार के महत्वपूर्ण फ्लैगशिप कार्यक्रम

समस्तीपुर (हिंस)। जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में शनिवार को बंदोबस्त कार्यालय के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी महोदय द्वारा विशेष भूमि सर्वेक्षण कार्यक्रम के विषय में बंदोबस्त पदाधिकारी से पृच्छा की गई एवं निर्देश दिया गया की विशेष सर्वेक्षण कार्यक्रम सरकार के महत्वपूर्ण फ्लैगशिप कार्यक्रम में से है। अत: इस कार्य में किसी भी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा बंदोबस्त पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर सभी अंचलाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएं। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ ग्राम पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों का भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवायें एवं इस कार्यक्रम का विस्तृत रूप से प्रचार प्रसार करें। जिससे आम जनमानस में किसी प्रकार की भ्रांति ना रहे और यह कार्यक्रम तेजी से संपन्न किया जा सके। बैठक में बंदोबस्त पदाधिकारी सहायक बंदोबस्त अधिकारी प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व एवं बंदोबस्त कार्यालय के अन्य पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

अनियंत्रित ट्रक झोपड़ी में घुसा, दंपति और दो बच्चों समेत चार की मौत

लखनऊ(हिंस)। लखनऊ के बीबीडी थाना अंतर्गत शनिवार की सुबह एक ट्रक अनियंत्रित होकर झोपड़ी में जा घुसी। इस हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों व दम्पति समेत चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस राहत कार्य करते हुए कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के मुताबिक बीबीडी थाना क्षेत्र में मौरंग लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झोपड़ी में घुस गया। इस हादसे में झोपड़ी में सो रहे उमेश (35), उसकी पत्नी नीलम (32), बेटा सनी (13) और गोलू (4) की मौत हो गई। मृतक नीलम गर्भवती थी। वही भीषण दुर्घटना में सात वर्षीय बच्ची वैष्णवी बच गई है। मरने वाले सभी बाराबंकी के जैतपुर क्षेत्र के रहने वाले थे और मजदूरी करके अपना जीवन करते थे। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की।

सावन के पहले सोमवार पर काशी विश्वनाथ धाम में भीड़ प्रबंधन की खास व्यवस्था

वाराणसी (हिंस)। सावन माह के पहले सोमवार पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और उनकी सुरक्षा के साथ भीड़ प्रबंधन की खास व्यवस्था की गई है। शनिवार को वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर कौशलराज शर्मा ने मंदिर न्यास के पदाधिकारियों, पुलिस, सीआरपीएफ और जिला प्रशासन के अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में धाम परिसर में श्रद्धालुओं को प्रदान की जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के बिंदुओं पर चर्चा हुई। धाम में पेयजल की उपलब्धता, चिकित्सकीय प्रबंधन, भीड़ प्रबंधन, पीए सिस्टम, सम्पूर्ण धाम की साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए समस्त विभागों को आपस में समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। कमिश्नर ने धाम में सुरक्षा के दृष्टिगत समस्त बिजली के उपकरणों, सीसीटीवी के सुचारू संचालन, अग्निशमन संबंधी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखने के लिए निर्देशित किया। बैठक के बाद कमिश्नर ने सम्पूर्ण धाम में पूरे श्रावण मास संबंधी समस्त व्यवस्थाओं का परखा। शेष तैयारियों को जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा।

मंदिर न्यास के अफसरों के अनुसार धाम में दर्शनार्थियों के आवभगत के लिए समस्त तैयारियां पूर्ण की जा रही हैं। इस वर्ष प्रथम बार सिल्को द्वार से भी प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष जिग-जैग रेलिंग में ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ बैरिकेड कर भीड़ के दबाव को और अधिक रोकने की व्यवस्था भी की जा रही है। इस वर्ष पंक्तिबद्ध श्रद्धालुओं को इंडस्ट्रियल एयर कूलर के माध्यम से उमस एवं गर्मी से राहत देने की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त नियमित अंतराल पर संपूर्ण धाम क्षेत्र में शीतल पेय जल की व्यवस्था रहेगी। चिकित्सकीय प्रबंध एवं ओआरएस की व्यवस्था भी की गई है। सावन माह के पहले सोमवार को यादव बंधु ही बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करते हैं। यह वर्षों पुरानी काशी की परंपरा है। इस बार मात्र 21 यादव बंधुओं को जलाभिषेक की अनुमति दी गई है। भीड़ और भक्तों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। चंद्रवंशी गोप सेवा समिति, गोवर्धन पूजा समिति और अखिल भारतीय यादव महासभा के साथ अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) कमिश्नरेट एस चन्नप्पा और श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक विश्व भूषण मिश्र ने मंदिर के पिनाक भवन में बैठक की। बैठक में तय हुआ कि सावन में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 21 यादव बंधु ही गर्भगृह में जलाभिषेक करेंगे। बाकी को गर्भगृह के पश्चिमी द्वार से झांकी दर्शन कराया जाएगा। यादव बंधु जल लेकर ध्वज के साथ डमरू वादन करते हुए चलेंगे। समिति के अध्यक्ष लालजी यादव ने बताया कि यात्रा परंपरागत मार्गों से निकलेगी। सुबह आठ बजे केदारघाट से कलश यात्रा आरंभ होगी। गौरी केदारेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद तिलभांडेश्वर महादेव, बड़ी शीतला मंदिर, अहलेश्वर महादेव के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर तक यात्रा जाएगी। इसके बाद महामृत्युंजय महादेव, त्रिलोचन महादेव, ओंकालेश्वर महादेव और बाबा लाटभैरव के दर्शन के साथ पूर्णाहुति होगी।

घरेलू स्तर पर भी मैन्यूफैक्चरिंग के लिए गुणवत्ता मानक तय करना जरूरी

नई दिल्ली।
इस साल मार्च-अप्रैल में भारतीय मसाले की गुणवत्ता पर सिंगापुर समेत यूरोप के कुछ देशों ने सवाल उठा दिए और उसका नतीजा यह हुआ कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मसाले निर्यात में पिछले साल के अप्रैल-जून की तुलना में 1.48 प्रतिशत की गिरावट आ गई जबकि पिछले तीन सालों से मसाले के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मसाले से पहले चावल, आम जैसे खाद्य पदार्थ के अलावा बेबी क्लोथिंग, परफ्यूम स्प्रे, सॉल्ट लैंप जैसे आइटम यूरोप व अन्य देशों में गुणवत्ता में कमी की वजह से रिजेक्ट हो चुके हैं।

लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि कई सामान तो देश के अंदर के उपभोक्ता ही खारिज कर रहे हैं। क्लोदिंग से लेकर फुटवियर तक ऐसे कई सामान हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानक तक पहुंच ही नहीं पा रहा है। जबकि फुटवियर इंडस्ट्री की ओर से तो खुलेआम इसका विरोध किया जा रहा है। ऐसे में वह विश्व बाजार तक कैसे अपनी धमक बना पाएगा यह बड़ा सवाल है। अब वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय भारतीय माल को गुणवत्ता में कमी की वजह से रिजेक्ट होने से बचाने के लिए एक पोर्टल लांच करने जा रहा है जहां सभी देशों के गुणवत्ता मानक की जानकारी होगी। पोर्टल से निर्यातक जान पाएंगे कि निर्यात करने के लिए उनकी कैसी गुणवत्ता होनी चाहिए। यही वजह है कि वाणिज्य विभाग की तरफ से खाने-पीने की वस्तुओं को तैयार करने या उसे बाहर भेजने के दौरान किन-किन चीजों का ख्याल रखना है, इस बारे में विस्तृत गाइडलाइंस तैयार किए जा रहे हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ वाणिज्य विभाग की बैठकें की जा रही हैं। ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि विदेशी खरीदार भारत में फल की खेती तक को देख सकेंगे। हालांकि इस बात पर भी सवाल उठाया जा रहा है कि सिर्फ विदेश ही क्यों, घरेलू स्तर पर मसाले समेत अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की गारंटी क्यों नहीं सुनिश्चित की जा रही है। नया पोर्टल विदेशों में हमारे व्यापार को बढ़ावा देने में सहायक होगा यह तो अच्छी बात है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की सलाह पर गुणवत्ता नियंत्रण नियम लागू करने का फरमान जारी किया है।

न्यूज ब्रीफ

चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को लॉन्च करने वाली है निसान, 7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी है ग्राउंड क्लीयरेंस

नई दिल्ली। चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को निसान कंपनी जल्द लॉन्च करने वाली है। कंपनी के अनुसार, इस एसयूवी को सीबीयू के ज़रिए आयात किया जाएगा। भारत में इसे थ्री- रो एडिशन में लाया जाएगा। इसमें स्प्लिट-हेडलैंप सेटअप, डार्क क्रोम में तैयार वी-मोशन ग्रिल, प्लास्टिक क्लैडिंग के साथ गोल व्हील आर्च, डायमंड-कट अलॉय व्हील और रैपराउंड एलईडी टेल शामिल हैं। एक्स-ट्रेल डायमंड ब्लैक, शैंपेन सिल्वर और पर्ल व्हाइट कलर ऑप्शन में अवेलेबल होगी। एक्स-ट्रेल की लंबाई 4,680 मिमी, चौड़ाई 1,840 मिमी, ऊंचाई 1,725 मिमी और व्हीलबेस 2,705 मिमी लंबा है। 7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस है और यह 255/45 आर 20 टायर के साथ आती है। टीजर से पता चलता है कि एक्स-ट्रेल में डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, 12.3-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर होगा। इस एसयूवी को सीबीयू के रूप में लाया जाएगा तो इसकी कीमत 40 लाख-45 लाख रुपये के बीच होने की उम्मीद है। यह इसे टोयोटा फॉर्च्यूनर (33.43 लाख-51.44 लाख* रुपये), इसके लीजेंडर डेरिवेटिव (43.66 लाख-47.64 लाख* रुपये), स्कोडा कोडियाक (39.99 लाख रुपये), एमजी ग्लोस्टर (38.80 लाख रुपये) को टक्कर देगी। अन्य विशेषताओं में ड्राइव मोड, ऑटो-होल्ड फ़ंक्शन के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और क्रूज़ कंट्रोल शामिल होगा। सेफ्टी के लिहाज से एक्स-ट्रेल में 7 एयरबैग, ऑटो वाइपर, एबीएस और ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, एक सीमित-स्लिप अंतर, हिल-स्टार्ट असिस्ट और फ्रंट पार्किंग सेंसर शामिल हैं। इस एसयूवी को 1.5-लीटर तीन-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा और यह 12वी माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ आता है जो 163एचपी और 300 एनएम का उत्पादन करता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही, सेंसेक्स 80,600 पर और निफ्टी 24,530 पर बंद

मुंबई। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगभग एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। मोहर्रम के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने से एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुले शेयर बाजार मुनाफावसूली और तकनीकी दिक्कतों के कारण वैश्विक स्तर पर हुई बिक्री के चलते गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और एक दिन गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से सप्ताह पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 290.46 अंक चढ़कर 80,809.80 अंक पर खुला और 145.52 अंक चढ़कर 80,664.86 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 95.85 अंक की बढ़त के साथ 24,598 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 84.55 अंक की बढ़त के साथ 24,586.70 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में बढ़त के बीच भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे।

नवीन जिंदल की कंपनी के सीईओ पर यौन उत्पीड़न का आरोप, भाजपा सांसद ने शिकायतकर्ता को दिया यह भरोसा

नई दिल्ली। जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कोलकाता से अबू धाबी जा रहे एक विमान में

उनके समूह के एक सीईओ पर लगे छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा है जिंदल समूह की ऐसे मामलों में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। उद्योगपति नवीन जिंदल ने एक्स पर शिकायतकर्ता के एक पोस्ट के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ... इस बारे में आवाज उठाने के लिए बोलने के लिए धन्यवाद! आपने जो किया उसे करने के लिए बहुत साहस चाहिए और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि हमारे पास ऐसे मामलों के लिए शून्य सहिष्णुता की नीति है। मैंने टीम से तुरंत मामले की जांच करने को कहा है और उसके बाद सख्त से सख्त और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जिंदल की एक कंपनी की सीईओ ने कोलकाता से अबू धाबी जाने वाले विमान में उसके साथ छेड़छाड़ की थी।

पहली तिमाही में रिलायंस का मुनाफा 5 प्रतिशत घटकर 15138 करोड़ हुआ, जियो इंफोकॉम का 12 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।
मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने जून 2024 को समाप्त पहली तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 5 प्रतिशत की गिरावट की जानकारी दी है। कंपनी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कंपनी का मुनाफा पहली तिमाही में 15,138 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान अवधि में यह 16,011 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन अवधि में परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 2.36 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस जियो इन्फोकॉम का राजस्व बढ़कर 26,478 करोड़ रुपये हुआ रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 5,445 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह एक साल पहले की अवधि में कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए 4,863 करोड़ रुपये से 12 प्रतिशत अधिक है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार सहायक कंपनी ने परिचालन से 26,478 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। कंपनी का राजस्व पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए राजस्व 24,042 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत अधिक रहा। अनुक्रमिक आधार पर, टैक्स के बाद लाभ में रिपोर्ट किए गए 5,337 करोड़ से 2 प्रतिशत अधिक रहा। तिमाही दर तिमाही आधार पर कंपनी का स्टैंडअलोन रेवेन्यू जनवरी-मार्च क्वार्टर के 25,959 करोड़ रुपये से दो प्रतिशत बढ़ा है। रिलायंस रिटेल का मुनाफा 4.6 प्रतिशत बढ़ा, परिचालन राजस्व 66,260 करोड़ रुपये रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने भी 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 2,549 करोड़ रुपये का

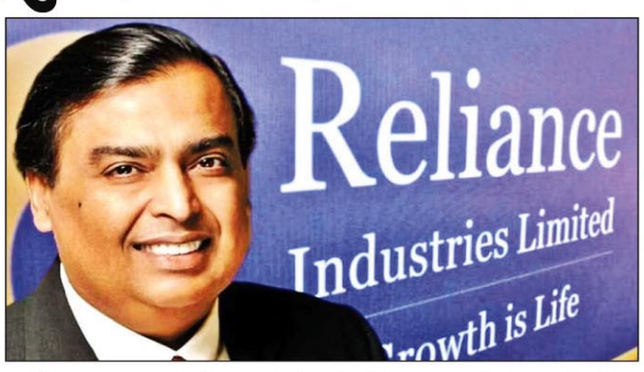

समेकित शुद्ध लाभ होने की जानकारी दी है। यह एक साल पहले की अवधि में कंपनी द्वारा रिपोर्ट किए गए 2,436 करोड़ रुपये से 4.6 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जून तिमाही के लिए परिचालन से कंपनी का राजस्व 66,260 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी द्वारा रिपोर्ट किए गए 62,159 करोड़ रुपये से 6.6 प्रतिशत अधिक है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के नतीजों पर कंपनी के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने कहा, गुणवत्तापूर्ण उच्च कवरेज़ वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है। हमारे नए प्रीपेड प्लान्स, 5जी के क्षेत्र में इनोवेशन और सतत विकास को को बढ़ावा देंगे।

'कस्टमर फर्स्ट' दृष्टिकोण के साथ, अपने बेहतर नेटवर्क और नए सेवा प्रस्तावों के दम पर जियो अपनी मार्केट लीडरशिप को और मजबूत करेगा। वहीं, रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी की कार्यकारी निदेशक ईशा एम. अंबानी ने कहा, रिलायंस रिटेल ने इस अवधि के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और भारत के अग्रणी रिटेलर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। हमारे रिटेल व्यवसाय का निरंतर विस्तार और विकास न केवल ग्राहक केंद्रित है, बल्कि यह भारतीय विकास गाथा की मजबूती को भी दिखाता है। हम अपने ग्राहकों को बेहतर रिटेल अनुभव देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्नत तकनीकों को एकीकृत करने, उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्लेटफार्मों को बेहतर बनाने के लिए लगातार इनोवेशन्स कर रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के नतीजों की बड़ी बातें रिलायंस ने 257,823 करोड़ (30.9 बिलियन) का कंसोलिडेटिड राजस्व घोषित किया, जो साल-दर-साल 11.5 प्रतिशत अधिक है। उपभोक्ता व्यवसायों में स्थिर वृद्धि के साथ ऑयल एंड गैस सेगमेंट में तेल की बढ़ी कीमतों और मात्रा के कारण ये वृद्धि हुई है। रिलायंस का कंसोलिडेटिड साल-दर-साल 2 प्रतिशत बढ़कर 42,748 करोड़ (5.1 बिलियन) हो गया। ऑयल एंड गैस तथा उपभोक्ता व्यवसाय के मजबूत योगदान ने कमजोर की भरपाई की।

रिलायंस का कंसोलिडेटिड कर पश्चात लाभ वर्ष दर वर्ष 4 प्रतिशत घटकर 17,448 करोड़ (2.1 बिलियन) रह गया, जिसका मुख्य कारण उच्च मूल्यह्रास था। 2024-25 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही का पूंजीगत व्यय 28,785 करोड़ (3.5 बिलियन) था, जो 33,757 करोड़ के नकद लाभ से कवर किया गया 30 जून 2024 तक रिलायंस का कंसोलिडेटिड शुद्ध ऋण 112,341 करोड़ रहा, जो पिछली तिमाही यानी 31 मार्च 2024 के 116,281 करोड़ की तुलना में कुछ कम था। शुद्ध ऋण व अनुपात, एक वर्ष पूर्व के 0.76 से बढ़कर 0.66 हो गया है। 2024-25 जून 2024 को समाप्त तिमाही में जियो प्लैटफ़ॉर्म्स का 11.6 प्रतिशत साल-दर-साल बढ़कर 14,638 करोड़ दर्ज किया गया। 2024-25 तिमाही में जियो का शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत साल-दर-साल बढ़कर 5,693 करोड़ हो गया। 2024-25 पहली तिमाही में 80 लाख ग्राहक (नेट एडिशन) जियो नेटवर्क से जुड़े हैं, ग्राहकों की संख्या बढ़कर 48 करोड़ 97 लाख पहुंच गई। जियो एयर फाइबर ने 11 लाख से अधिक कनेक्शन दिए, एक तिमाही में जियो द्वारा दिए गए यह अब तक के सबसे अधिक कनेक्शन हैं। 2024-25 में जियो का प्रति ग्राहक राजस्व यानि बेहतर सब्सक्राइबर मिक्स के साथ 181.7 रहा, सब्सक्राइबर्स को असीमित आधार पर दिए जाने वाले प्रमोशनल 5जी ट्रैफ़िक के बढ़ते मिक्स के कारण यह आंशिक रूप से कमजोर रहा, 5जी के लिए अभी अलग से शुल्क नहीं लिया जाता। जियो नेटवर्क पर कुल डेटा ट्रैफ़िक 32.8 प्रतिशत बढ़कर 44.1 बिलियन हो गया, और वॉयस ट्रैफ़िक 6.0 प्रतिशत साल-दर-साल बढ़कर 1.42 ट्रिलियन मिनट हो गया। 2024-25 चीन से बाहर जियो सबसे बड़ा 5जी ऑपरेटर है, जिसके 13 करोड़ से ज़्यादा 5जी सब्सक्राइबर हैं, जो जियो के वायरलेस डेटा ट्रैफ़िक का 31 प्रतिशत से भी अधिक है।

कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करने पर नहीं मिलेगा बीमा इसलिए रखें कुछ बातों का ख्याल

नई दिल्ली।
बीमा कंपनियां वाहन बीमा दावों की प्रक्रिया सरल बनाने का प्रयास कर रही हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिये गाड़ी के निरीक्षण की तकनीक को व्हाट्सऐप चैटबॉट पर डाल दिया है। इससे ग्राहक 20,000 रुपए तक होने वाले नुकसान के दावे तुरंत निपटा लेंगे। पॉलिसी बाजार ने क्लेम एश्योरेंस प्रोग्राम शुरू किया, जिसमें ग्राहकों को उनके दावे के लिए खास क्लेम मैनेजर मिलेगा और गाड़ी को नेटवर्क के गैराज तक ले जाने की सुविधा भी मिलेगी। कंपनियां तो सब कर रही हैं मगर ग्राहकों को भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जिनकी वजह से दावे खारिज हो सकते हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस में निदेशक और चीफ बिजनेस ऑफिसर पार्थनील घोष कहते हैं कि अगर दावा पॉलिसी की जोखिम अवधि खत्म होने के बाद किया गया है तो कंपनी उसे खारिज कर देगी। वाहन बीमा वाहनों की खास श्रेणियों के लिए बेचा जाता है। अगर आप निजी कार के लिए बीमा ले रहे हैं तो आपसे निजी इस्तेमाल के हिसाब से ही प्रीमियम लिया जाएगा। अगर आप अपनी कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करते है और दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं तो आपका दावा नहीं माना जाएगा।थर्ड पार्टी बीमा के बगैर गाड़ी चलाने पर भी दावे खारिज हो सकते हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम में हेड संदीप सराफ कहते हैं कि मोटर यान अधिनियम के मुताबिक हरेक ग्राहक के पास वैध थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। अगर ग्राहक उसके बगैर दावा करता है तो खारिज कर दिया जाएगा। वाहनों को मोटर यान अधिनियम का पालन करते हुए सार्वजनिक सड़कों पर ही चलाया जाना चाहिए। अगर रजिस्ट्रेशन के बगैर या शराब पीकर या वैध लाइसेंस के बगैर गाड़ी चलाते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है। आप नो क्लेम बोनस की गलत जानकारी देते हैं और प्रीमियम कम करा लेते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है।

35 फीसदी बढ़ा शुद्ध मुनाफा, ब्याज से कमाई में भी उछाल; मगर एनपीए बन रहा टेंशन

नई दिल्ली।
प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े लेंडर-एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। एचडीएफसी बैंक का नेट प्रॉफिट 16,175 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही के दौरान 11,951 करोड़ रुपये था। इसमें सालाना आधार पर 35.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, तिमाही आधार पर प्रॉफिट में 2 फीसदी की गिरावट आई है। मार्च तिमाही में एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 16,511 करोड़ रुपये था। ब्याज से कमाई में भी इजाफा एचडीएफसी बैंक की ब्याज से शुद्ध कमाई 29,837 करोड़ रुपये रही। इसमें 2.6 फीसदी का उछाल आया है। असेट क्वॉलिटी की बात करें, तो ग्रॉस एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग असेट) में उछाल आया है। यह मार्च में 1.17 फीसदी था, जबकि जून तिमाही में बढ़कर 1.24 फीसदी हो गया। नेट एनपीए की जून तिमाही में 0.39 फीसदी रहा, जो इससे पिछली तिमाही में 0.33 फीसदी और एक साल पहले 0.30 फीसदी था।

रिटर्न ऑन असेट्स में गिरावट आई है। यह जून तिमाही 0.47 फीसदी रहा, जो मार्च तिमाही में 0.49 फीसदी था। एचडीएफसी बैंक के शेयरों का हाल एचडीएफसी बैंक के शेयरों में पिछले दिनों लंबे वक्त के बाद हलचल देखने मिली थी। कुछ कारोबारी सत्रों में यह तेजी से बढ़ा भी, लेकिन फिर नकारात्मक खबरों के चलते इसमें गिरावट आई और यह वापस अपने पुराने स्तर के आसपास आ गया। एचडीएफसी बैंक का स्टॉक शुक्रवार (19 जुलाई) को 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ 1,605.00 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने के दौरान इसमें करीब 4 फीसदी की गिरावट आई है।

कारोबारी घरानों को बैंकिंग लाइसेंस नहीं, गवर्नर शक्तिकांत दास बोले- मुश्किल होगी निगरानी; कारण भी बताया

नई दिल्ली।
आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट कहा, कारोबारी घरानों को बैंक खोलने की मंजूरी देने की कोई योजना नहीं है। मंजूरी देने से हितों के टकराव और संबंधित पक्षों के लेनदेन से जुड़ा जोखिम बढ़ जाएगा। दास ने एक कार्यक्रम में कहा, बैंक चलाना अन्य व्यवसायों से अलग है। दुनियाभर के अनुभवों से पता चलता है कि संबंधित पक्ष के लेनदेन की निगरानी करना या उन्हें विनियमित करना और रोकना बहुत मुश्किल होगा। इसमें शामिल जोखिम बहुत अधिक होते हैं। आरबीआई ने एक दशक पहले कई बड़े कारोबारी समूहों को नए बैंकों का लाइसेंस देने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। हालांकि, आरबीआई के एक कार्यसमूह ने 2020 में इस मुद्दे पर नए सिरे से चर्चा शुरू की थी। देश को नहीं चाहिए अधिक बैंक गवर्नर ने 1960 के दशक के अंत में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से पहले के दौर का जिक्र करते हुए कहा, उस समय भारत में भी कारोबारी घराने बैंकिंग गतिविधियों में शामिल थे। हालांकि, अब हमें

आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अधिक बैंकों की जरूरत नहीं है बल्कि अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए संसाधनों की जरूरत है। दास ने कहा, भारत को मजबूत व अच्छी तरह से संचालित बैंकों की जरूरत है। हमें लगता है कि ये प्रौद्योगिकी की मदद से पूरे देश में बचत जुटाने व कर्ज जरूरतें पूरा करने में सक्षम होंगे।

आर्थिक वृद्धि मजबूत, महंगाई थामने पर जोर दास ने कहा, मौजूदा माहौल में वृद्धि दर अच्छी है।मौद्रिक नीति को स्पष्ट रूप से महंगाई को काबू में लाने पर जोर देना चाहिए। तटस्थ दरों को लेकर बहस के बीच उन्होंने कहा, सैद्धांतिक और अमूर्त अवधारणाएं किसी व्यक्ति के निर्णय पर आधारित होती हैं। ये वास्तविक दुनिया में नीति निर्धारित नहीं कर सकती हैं। अधिक ब्याज दर के कारण वृद्धि पर पड़ने वाले प्रभाव पर गवर्नर ने कहा, मौजूदा नीतिगत दर के बावजूद वृद्धि मजबूत रही है। हम 2024-25 में 7.2 फीसदी की वृद्धि दर का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। केंद्रीय बैंक विशेष रूप से खाने-पीने की वस्तुओं की मुद्रास्फीति के मोर्चे पर ध्यान दे रहा है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई पर भी नजर है। सरकार के साथ समन्वय से अर्थव्यवस्था में तेज सुधार दास ने कहा, उनके छह साल के कार्यकाल में सरकार और आरबीआई के संबंध अच्छे रहे हैं। इसकी वजह से कोविड-19 के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हुआहै।अपने पूर्ववर्ती की लिखी पुस्तक में लगाए आरोपों पर कहा, कोई भी यह उम्मीद नहीं करता कि आरबीआई 'चीयरलीडर' बनेगा। मेरा ऐसा कोई अनुभव नहीं है। दास का कार्यकाल इस साल दिसंबर में खत्म हो रहा है।

एयर इंडिया का दावा- हमारी एक भी फ्लाइट रद्द नहीं, मंत्री बोले- उड़ानों का संचालन सामान्य

नई दिल्ली।
माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के अपडेट में आई तकनीकी खामी ने पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचा दी थी। लाखों कंप्यूटर अचानक ठप हो गए थे, जिससे हजारों उड़ानें रद्द या देर से चलीं। हालांकि, एयर इंडिया ने बताया कि उसने कल इतनी परेशानियों के बाद भी एक उड़ान रद्द नहीं की थी। वहीं, नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि अब एयरलाइन प्रणालियां सामान्य रूप से काम करने लगी हैं।

नागर विमानन मंत्री नायडू ने कहा कि दुनियाभर में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) ठप होने के कारण प्रभावित हुए हवाई अड्डों पर एयरलाइन प्रणालियां सामान्य रूप से काम करने लगी हैं और सभी परेशानियों का तक समाधान होने की संभावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय हवाई अड्डों तथा एयरलाइनों के परिचालन की लगातार निगरानी कर रहा है ताकि रिफंड का ध्यान रखा जा सके। नायडू ने कहा कि सभी हवाई अड्डों पर एयरलाइन

प्रणाली सामान्य रूप से काम करने लगी है। अब उड़ान परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है।

एक भी उड़ान नहीं हुई रद्द – वहीं, एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि 19 जुलाई को एयर इंडिया की कोई भी उड़ान आउटेज के कारण रद्द नहीं की गई थी। हालांकि,आउटेज के कारण हवाई अड्डे की सेवाओं में कुछ देरी हुई थी। एयर इंडिया का आईटी बुनियादी ढांचा कल इस इस अपडेट से प्रभावित नहीं हुआ और सामान्य रूप से काम करता रहा।

क्राउडस्ट्राइक क्यों सुना रहे थे लोग खरीखोटी – दुनियाभर के हवाई अड्डों पर लंबी कतारों में हाथ से लिखे जा रहे बोर्डिंग पास लिए लाखों लोग साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक को खरीखोटी सुना रहे थे। दरअसल, इसी कंपनी की एक गलती ने पूरी दुनिया को डायस्टोपियन साइंस फिक्शन फिल्मों के अंदाज में ठप कर दिया। जैसे वैश्विक प्रसारक का लाइव प्रसारण रुक गया। एटीएम, वेंडिंग मशीन, पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) की सेवाएं ठप हो गईं। अस्पतालों में मरीजों के प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर बंद हो गए। ओलंपिक खेल समिति का कामकाज रुक गया। शायद ही कोई ऐसा देश रहा होगा, जहां इस कंपनी की चर्चा नहीं हुई होगी।

यह है दुनिया में मचे उथल-पुथल के पीछे का कारण – दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम इस्तेमाल करने वाले कंप्यूटरों के साथ यह स्थिति पैदा हुई। समस्या मूल रूप से उन कंप्यूटरों में आई, जो माइक्रोसॉफ्ट की उस क्लाउड सेवा का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसमें क्राउडस्ट्राइक का फायरवॉल सिस्टम था।

माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि विश्वभर के उद्योग अपने नेटवर्क को हैकरों और बाहरी दखल से बचाने के लिए साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक के सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं। क्राउडस्ट्राइक इस सुरक्षा सॉफ्टवेयर को अपडेट कर रहा था और अपडेट में आई तकनीकी खामी से यह स्थिति पैदा हुई। क्राउडस्ट्राइक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉर्ज कुर्ट्ज ने कहा, हम ग्राहकों को नवीनतम अपडेट के लिए पोर्टल के जरिये सहायता दे रहे हैं और अपनी वेबसाइट पर पूर्ण और निरंतर अपडेट देना जारी रखेंगे।

बड़े हवाईअड्डों पर लगी यात्रियों की भीड़ – दिल्ली, मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, कोलकाता जैसे बड़े हवाई यातायात केंद्रों पर माइक्रोसॉफ्ट आउटेज की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी हुई। खासतौर पर बोर्डिंग पास के लिए लंबी कतारें लगीं, ऑनलाइन चेक इन नहीं होने की वजह से हर जगह चेक इन व चेक आउट मैनुअली किया गया, जिससे भी यात्रियों को अपनी बारी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। यहां तक कि कई उड़ानें तो रद्द भी कर दी गईं।

परेशानी होगी दूर – मंत्रालय ने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस सहित अधिकांश एयरलाइनों के रिजर्वेशन और चेक-इन सिस्टम अब काम करने लगे हैं। सबकुछ ठीक दिल्ली हवाईअड्डे पर एक यात्री ने कहा, मैं अहमदाबाद जा रहा हूं। ऑनलाइन प्रिंटिंग (डिजी यात्रा) सुविधाजनक है, जो कल नहीं हो रहा था। सब कुछ ठीक है। उड़ानें समय पर हैं। कल जो हुआ वह नेटवर्क का मुद्दा था। कोई भी इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता है। बजट वाहक इंडिगो ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के कारण परेशानी हुई। हालांकि, अब लगभग समस्या दूर हो चुकी है। हमारी टीमों ने सामान्य संचालन को बहाल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालांकि, ग्राहकों को अभी भी देरी और शेड्यूल का सामना करना पड़ सकता है। एयरलाइंस सर्वाधिक प्रभावित फ्लाइट अवेयर के मुताबिक पूरी दुनिया में 33,139 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई, जबकि करीब 3,750 उड़ानें रद्द हुईं। अमेरिका में सबसे ज्यादा 788 उड़ानें डेल्टा एयरलाइन की रद्द हुईं। जबकि, अटलांटा एयरपोर्ट पर सर्वाधिक 155 उड़ानें रद्द हुईं।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी ।
भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त , दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा। वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम : चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रूग, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

न्यूज ब्रीफ

हरभजन ने श्रीलंका दौरे के लिए चहल, अभिषेक की अनदेखी पर सवाल उठाया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए मैन इन ब्लू टीम से स्पिनर युजवेंद्र चहल और अभिषेक शर्मा को बाहर करने पर सवाल उठाया है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत को 27 जुलाई से श्रीलंका में तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनों प्रारूपों के लिए टीम की घोषणा की और सूर्यकुमार यादव को रोहित शर्मा के प्रारूप से संन्यास के बाद नया टी20 कप्तान बनाया। टी20 टीम में, अभिषेक शर्मा का बाहर होना सबसे बड़ा चर्चा का विषय था, उन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ पदार्पण किया और अपने दूसरे मैच में भी शतक बनाया। उन्हें किसी भी टीम में जगह नहीं मिली, जबकि टी20 विश्व कप का हिस्सा रहे चहल को भी श्रीलंका दौरे के लिए बाहर कर दिया गया। दूसरी ओर, विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को केवल टी 20 टीम में नामित किया गया और वनडे में शामिल नहीं किया गया क्योंकि पिछले महीने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम में वापसी करने के बाद ऋषभ पंत को वापस बुला लिया गया है। हरभजन ने एक्स पर लिखा, यह समझना मुश्किल है कि युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा श्रीलंका के लिए भारतीय टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं। इसके अलावा, भारत के मुख्य खिलाड़ी जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिए जाने के बाद टी20 में लौट आए। हर्षित राणा का वनडे टीम में शामिल होना घोषणा में उल्लेखनीय बदलावों में से एक था। दिल्ली के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है और वह श्रीलंका में अपने पूर्व कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर गंभीर के साथ जुड़ेंगे। आईपीएल 2024 में, उन्होंने केकेआर के लिए 13 मैचों में 19 विकेट हासिल किए और वरुण चक्रवर्ती के 21 विकेट के बाद फ्रेंचाइजी के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

वर्ल्ड मास्टर्स अगस्त में होगी, 6 टीमें शामिल होंगी

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

बाबर सहित पाक क्रिकेटरों का ग्लोबल टी20 कनाडाई लीग में खेलना संदिग्ध

लाहौर । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का आगामी ग्लोबल टी20 कनाडाई क्रिकेट लीग में खेलना संदिग्ध नजर आता है। इसका कारण है कि इन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) शायद ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे। इसका कारण है कि इस लीग का कार्यक्रम टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकरा सकता है। पाक और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 21 अगस्त से होगी। वहीं कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पीसीबी खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। इससे पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी। वहीं पीसीबी की ओर से कहा गया है कि नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है। इसके अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफितखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं।

18 दिन में 16 अलग-अलग खेलों में पदक के लिए दांव लगाएंगे 117 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का समय बचा है। इस टूर्नामेंट को लेकर फैंस की उत्सुकता दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। यह खेल महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगा। 26 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी और 11 अगस्त को क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। हालांकि, कुछ खेलों की शुरुआत तो 24 जुलाई से ही हो जाएगी। पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को सीन नदी के जार्डिन्स डु ट्रोकाडेरो में होगा। ओलंपिक में यह पहला मौका होगा जब उद्घाटन समारोह स्टेडियम में नहीं होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 इस परंपरा को तोड़ेगा। भारत पहली बार पेरिस ओलंपिक में पदकों के दोहरे अंक का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखेगा। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत तीन पदकों से चूक गया था।

विज्ञापन – भारत पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 सदस्यीय दल भेज रहा है, जो पिछले संस्करण की तुलना में पांच कम हैं। टेबल टेनिस के दिग्गज अचंता शरथ कमल और बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भारतीय दल के लिए पेरिस ओलंपिक में ध्वजवाहक होंगे। एथलीटों ने पहले ही यूरोप में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और जल्द ही पेरिस ओलंपिक के लिए फ्रांस पहुंचेंगे। पेरिस में भारत के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से अपने खिताब का बचाव करने की काफी उम्मीदें होंगी। यहां हम पेरिस ओलंपिक 2024 के हर दिन के हिसाब से भारतीय एथलीटों के पूरे कार्यक्रम का विवरण दे रहे हैं...(समय भारतीयानुसार)। इनमें से कुछ खेल ऐसे हैं, जिसके राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल की जानकारी भी दी गई है। हालांकि, वह किसी भारतीय खिलाड़ी के इस राउंड तक पहुंचने के बाद ही लागू होंगे।

तीरंदाजी
महिला रैंकिंग राउंड (दोपहर 1.00 बजे से)
पुरुषों का रैंकिंग राउंड (शाम 5.45 बजे से)

बैडमिंटन
महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 11.00 बजे से) पुरुष युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 7.10 बजे। रात 8.00 बजे, रात 11.00 बजे, रात 11.50 बजे से) महिला युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7,10 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से) पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से)

मुक्केबाजी
महिलाओं की 54 किग्रा राउंड ऑफ 32 (शाम 7 बजे, रात 11.30 बजे से)

हॉकी
भारत बनाम न्यूजीलैंड (रात 9.00 बजे से)

रोइंग
मेंस सिंगल स्कल्स हीट (दोपहर 12.30 बजे से)

शूटिंग
10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन (दोपहर 12.30 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम कांस्य पदक (दोपहर 2.00 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक (दोपहर 2.30 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष योग्यता (दोपहर 2.00 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल महिला योग्यता (शाम 4.00 बजे से)

टेबल टेनिस
पुरुष और महिला एकल प्रारंभिक दौर (शाम 6.30 बजे से) पुरुष और महिला एकल राउंड ऑफ 64 (रात 11.30 बजे से)

टेनिस
पुरुष एकल का पहला राउंड (दोपहर 3.30 बजे, रात 10.30 बजे से) पुरुष युगल पहला दौर (दोपहर 3.30 बजे से) दूसरा दिन – 28 जुलाई (रविवार)

तीरंदाजी
महिला टीम एलिमिनेशन राउंड टू फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से)

बैडमिंटन
महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.00 बजे, दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, शाम 7.10 बजे 11.50 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से) पुरुष युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, दोपहर 1.40 बजे, शाम 5.30 बजे, रात 11.50 बजे से) महिला युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से) पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई), दोपहर 1.30 बजे (29 जुलाई) से)

मुक्केबाजी
पुरुषों का 71 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 2.46 बजे, शाम 5.16 बजे, रात 11.30 बजे से) महिलाओं का 50 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 3.50 बजे, रात 8.30 बजे, रात 12.34 बजे (29 जुलाई) से)

रोइंग
पुरुषों की एकल स्कल्स रेपेचेज (दोपहर 1.06 बजे से)

शूटिंग
10 मीटर एयर राइफल महिला क्वालिफिकेशन (दोपहर 12.45 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुषों का फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल पुरुष क्वालिफिकेशन (दोपहर 2.45 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फाइनल (दोपहर 3.30 बजे से)

तैरना
100 मीटर बैकस्ट्रोक पुरुषों की हीट और सेमीफाइनल (दोपहर 2.30 बजे से और 1.07 बजे से (29 जुलाई) से) 200 मीटर फ्रीस्टाइल महिला हीट और सेमीफाइनल (दोपहर 2.30 बजे से और दोपहर 1.30 बजे से (29 जुलाई) से)

टेबल टेनिस
पुरुष और महिला एकल (दोपहर 1.30 बजे से, रात 11.30 बजे से)

टेनिस
पुरुष एकल का पहला राउंड (दोपहर 3.30 बजे से, रात 10.30 बजे से) पुरुष युगल पहला दौर (दोपहर 3.30 बजे से, रात 10.30 बजे से) तीसरा दिन – 29 जुलाई (सोमवार)

तीरंदाजी
पुरुषों की टीम एलिमिनेशन राउंड टू फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से)।

चांगते और इंदुमति को एआईएफएफ का शीर्ष पुरस्कार मिला, लाहलानसांगा सबसे होनहार खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।
अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारत और मुंबई सिटी एफसी के विंगर लालियानजुआला चांगते सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष फुटबॉलर और राष्ट्रीय महिला टीम की मिडफील्डर इंदुमति कथिरेसन को सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबॉलर अवॉर्ड से नवाजा। दोनों ने पिछले एक साल में फील्ड पर शानदार खेल दिखाया है। चांगते को भविष्य का सुपरस्टार भी माना जा रहा है। राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान दोनों खिलाड़ियों को ये पुरस्कार दिया गया। लालियानजुआला चांगते ने हाल में में मुंबई सिटी एफसी के साथ 2026/27 सत्र के अंत तक अपना अनुबंध बढ़ा लिया है। इंदुमति (30) भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) में ओडिशा एफसी का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय टीम में वह बतौर 'मिडफील्डर' की भूमिका निभाती हैं। आई-लीग विजेता क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग के डेविड लाहलानसांगा को इस साल के सबसे होनहार खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है।

मुख्य कोच पद के लिए 20 उम्मीदवारों की सूची

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा कि खेल संस्था ने भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच पद के लिए 20 उम्मीदवारों की सूची बनाई है। भारतीय टीम के कतर और अफगानिस्तान से हारने के बाद फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने में विफल होने के बाद पिछले महीने इगोर स्टमक को बर्खास्त कर दिया गया था जिसके बाद से यह पद खाली पड़ा है।

सत्यनारायण ने कहा, हमने कुछ कोचों को चुना है, इनकी संख्या लगभग 20 है। हमने उनमें से कुछ को लिखा भी है कि क्या जब से उन्होंने आवेदन किया है, तब से अब तक वे अब भी उपलब्ध हैं। क्योंकि बहुत से कोच करार कर रहे हैं। इसलिए हम कुछ की छंटनी करने के बहुत करीब हैं। फिर इनके नाम कार्यकारी समिति के पास जायेंगे। फिर तकनीकी समिति भी शामिल होगी। इसलिए अगले दो दिन में फैसला होगा।

अर्शदीप ने टी20 विश्व कप फाइनल को पसंदीदा मैच बताया

नई दिल्ली ।
भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने हालिया टी20 विश्व कप की खिताबी जीत में फाइनल को अपने करियर का पसंदीदा मैच बताया। तेज गेंदबाज ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला आईसीसी फाइनल खेला और अपने चार ओवरों में 2-20 के आंकड़े के साथ लौटे क्योंकि भारत ने रोमांचक मुकाबले में छह रन से मैच जीत लिया।

अर्शदीप पिछले साल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल खेलने वाली भारत की टीम का हिस्सा नहीं थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल फाइनल में भी नहीं खेला था, लेकिन युवा खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के दौरान दबाव का कोई संकेत नहीं दिखाया और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। 52 टी20 में, अर्शदीप ने 18.40 की औसत से 79 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/37 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है। वह 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए भारतीय टीम के साथ श्रीलंका जाएंगे।

वह टूर्नामेंट में 17 विकेट के साथ भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

अर्शदीप पिछले साल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल खेलने वाली भारत की टीम का हिस्सा नहीं थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल फाइनल में भी नहीं खेला था, लेकिन युवा खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के दौरान दबाव का कोई संकेत नहीं दिखाया और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

नायर, टेन डोशेट श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल होंगे, टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रहेंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली।
श्रीलंका के आगामी सफेद गेंद दौरे के दौरान भारत के नए मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद, अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, जबकि टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रहेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए तीन वनडे मैच खेलने वाले नायर और टेन डोशेट को भारतीय टीम में सहायक कोच नियुक्त किया गया है। जब कोलकाता नाइट राइडर्स टीम ने आईपीएल 2024 जीता था तब ये दोनों गंभीर के साथ थे और नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ में मेंटरशिप की भूमिका निभा रहे थे।

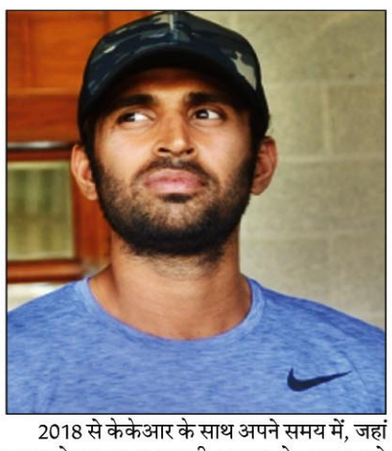

2018 से केकेआर के साथ अपने समय में, जहां वह कोच-सह-अकादमी प्रमुख थे, नायर को अपनी कोचिंग विधियों के माध्यम से श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती और वेंकटेश अय्यर जैसे विभिन्न खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ दिनेश कार्तिक का पुनरुत्थान के लिए भी श्रेय दिया गया। दिलीप के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने अपनी जगह बरकरार रखी है क्योंकि उन्होंने न केवल एक प्रभावी फील्डिंग कोच के रूप में बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी अच्छा सकारात्मक प्रभाव डाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, ऐसा माना जाता है कि वह टीम बॉन्डिंग अभ्यास में बहुत अच्छे हैं, जिसे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख आवश्यकता माना जाता है।

दिलीप और नायर मुंबई से एक चार्टर उड़ान पर भारतीय टीम के साथ श्रीलंका की यात्रा करने के लिए तैयार हैं, टेन डोशेट की यात्रा योजनाओं के बारे में यह स्पष्ट नहीं है। नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर वर्तमान में चल रहे मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एलए नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ के हिस्से के रूप में यूएसए में हैं और सीधे श्रीलंका में भारतीय टीम में शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नया गेंदबाजी कोच कौन होगा इस पर कुछ सस्पेंस है, लेकिन मोर्ने मोर्कल अभी भी मजबूत उम्मीदवार हैं। मोर्कल ने आईपीएल 2022 और 2023 में लखनऊ सुपर जाइंट्स में गंभीर के साथ काम किया, जहां गंभीर मेंटर थे। भारतीय टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले, 22 जुलाई को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई गई है, जिसमें गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का बड़ा बयान, कहा- 2047 तक भारत खेल उत्कृष्टता में शीर्ष पांच देशों में होगा शामिल

नई दिल्ली ।
भारत विविधता में समृद्ध है। यह आवश्यक है कि हम युवा प्रतिभाओं की पहचान करें, उनका कौशल विकसित करें और उन्हें खेल पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करें। नए युग के भारत ने बहुत प्रगति की है, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। 2047 तक जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेंगे, तब तक भारत खेल उत्कृष्टता में शीर्ष पांच देशों में शामिल होगा। यह बातें केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में दिल्ली खेल पत्रकार संघ द्वारा आयोजित पेरिस ओलिंपिक 2024 और पैरालिंपिक के लिए भारत की तैयारियों पर चर्चा के दौरान कहीं।

इस अवसर पर खेल मंत्री ने 'पाथवे टू पेरिस' नामक एक पुस्तिका का भी अनावरण किया। यह पुस्तिका भारत की ओलिंपिक यात्रा, वर्तमान तैयारियों और प्रतिभाशाली भारतीय एथलीटों पर प्रकाश डालती है, जो पेरिस ओलिंपिक 2024 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। बता दें कि पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलिंपिक में

भारत से 117 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पैरालिंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होंगे। खेल मंत्री ने कहा कि इन खेलों में तैयारी पर कुल 470 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया गया है।

भारतीय खेलों में बहुत प्रगति

भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने बताया कि साल 2004 में जब वह एथेंस पैरालिंपिक में गए थे, तो उन्होंने अपनी जेब से पैसे खर्च किए थे। उस ओलिंपिक में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकार्ड भी तोड़ा। देवेंद्र ने कहा कि तब से भारतीय खेलों में बहुत प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि पीसीआई के अध्यक्ष के रूप में उन्हें सौ प्रतिशत यकीन है कि भारत ओलिंपिक और पैरालिंपिक दोनों में अच्छा प्रदर्शन करेगा।

इस मौके पर खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान, टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) के सीईओ कमोडोर पीके गर्ग, ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता और हाकी विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अशोक ध्यानचंद, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 डबल ट्रैप शूटर रोंजन सोढ़ी, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण विजेता मुक्केबाज अखिल कुमार, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज अभिषेक वर्मा, टोक्यो पैरालिंपिक रजत पदक विजेता डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूनिया मौजूद रहे।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान और कौशल विकसित करना कीर्ति का उद्देश्य- डॉ. मनसुख

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कीर्ति (खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन) कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। खेल मंत्री ने कहा कि एक प्रतिभावान खिलाड़ी शहर से ही नहीं, बल्कि उत्तर-पूर्व, तटीय, हिमालयी और आदिवासी जैसे दूर-दराज के इलाकों से भी निकल सकता है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचानना और उनके कौशल को विकसित करना कीर्ति का प्रमुख उद्देश्य है। सरकार ने कीर्ति कार्यक्रम के तहत 100 दिनों के भीतर एक लाख उभरते युवा एथलीटों की पहचान करने का निर्णय लिया है।

इसके तहत गांव से लेकर शहरों में रहने वालों और गरीब पृष्ठभूमि से आने वालों को भी खेल कौशल विकसित करने के अवसर दिए जाएंगे। दिल्ली में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से निगम के कुल 12 जोन में 20 हजार से अधिक निगम विद्यालयों के छात्रों का कीर्ति के तहत मूल्यांकन करेगा। ये मूल्यांकन कुल 27 दिनों तक जारी रहेगा। इसमें एथलेटिक्स, फुटबाल, वालीबाल, कबड्डी और खो-खो जैसे पांच प्रमुख खेलों को शामिल किया गया है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

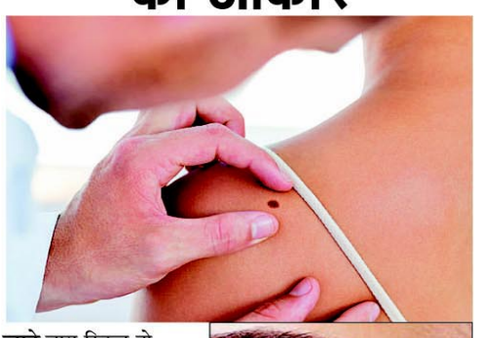

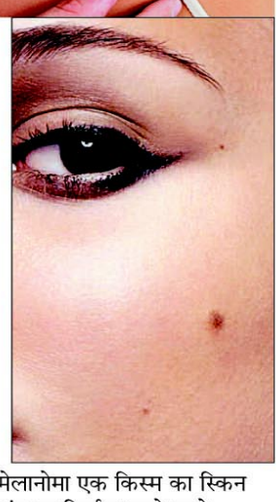

चाहे ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरु हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

भोजन बनाते समय की मानसिकता...

अन्न को ब्रह्म कहा गया है। इसका निरादर देवता का अपमान है। इसलिए अन्न को भोजन के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया भी पूजा-अर्चना से कम नहीं है। अन्न के खेतों से थाली तक पहुंचने की यात्रा में कई पड़ाव हैं। कमाने, पकाने, परोसने और खाने वाले व्यक्तियों की मानसिकता अन्न के पोषक तत्वों को प्रभावित करती है। रसोई बनाने वाला इस प्रसंग का सूत्रधार है। खाना बनाते समय उसकी मानसिकता क्या है, खाने वाले के प्रति उसकी भावनाएं अच्छी हैं या नहीं इन सबका प्रभाव भोजन पर होता है। अगर उसे भोजन बनाने का काम मुसीबत नजर आता है, अगर उसे भरपेट भोजन नहीं मिलता है तो निश्चित रूप से भोजन में नकारात्मक तरंगें पैदा होंगी। अच्छे से अच्छा व्यंजन भी अपाच्य बन जाएगा।

सितंबर के मुख्य त्योहार...

- सितंबर को स्नान दान आदि की भाद्रप्रद की अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, पिठौरी अमावस।
- सितंबर को भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष प्रारंभ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश (प्राचीन परम्परा अनुसार)।
- सितंबर रविवार को हरि तालिका तृतीया, गौरी तृतीया, श्री वाराह अवतार जयंती, सामवेदि उपाकर्म, मुसलमानी महीना जिल्हिका शुरू, श्री गुरु रामदास जी का ज्योति ज्योत समाए दिवस।
- सितंबर सोमवार को सिद्धि विनायक श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कलंक चौथ यानी पत्थर चौथ। इस दिन चंद्रमा को न देखने का विधान है।
- सिंतबर मंगलवार को ऋषि पंचमी, श्री दंडी स्वामी जी महाराज श्री शंकराश्रम जी महाराज का निर्वाण दिवस।
- सितंबर गुरुवार मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, 16 दिनों के श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ।
- सितंबर रविवार को सायं 5 बजकर 5 मिनट पर गुरु (तारा) पश्चिम में अस्त और 7 अक्टूबर को उदय होगा। 13 सितंबर मंगलवार को पद्मा एकादशी व्रत, फूल डोल महोत्सव, श्री वामन अवतार जयंती वामन द्वादशी।
- सितंबर गुरुवार अनंत चतुर्दशी व्रत, अनंत चौदश मेला बाबा सोढल जी (जालंधर, पंजाब), कदली व्रत।

दु:ख से मुक्ति...

दु:ख, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती हैं। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव मे अपने होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? क्या है दु:ख से मुक्ति का उपाय? इस आलेख में हम यही जानेंगे।

जीवन के सुख-दु:ख को देखने का हमारा चश्मा अलग-अलग होता है। दूसरों के सुख बड़े लगते हैं तो अपने दु:ख भी बड़े। अपने छोटे से छोटे दु:ख को गाने की ऐसी लत लगती है कि मानो एक हम ही हैं जो दुखों को झेल रहे हैं। बात यहीं तक नहीं रुकती, हम केवल यह नहीं चाहते कि लोग हमारे दु:ख को सुनें, हम उनकी सहानुभूति का फायदा भी उठाना चाहते हैं। अपने दुखों की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं। मैंने जिंदगी देखी है..., तुम्हें क्या पता दुख क्या होता है..., मेरी किस्मत में सुख कहां..., ऐसी ही कई बातें कहते हुए हम बिल्कुल दार्शनिक हो जाते हैं। ऐसे ज्ञानी, जिन्हें अपना राई बराबर दु:ख पहाड़ नजर आता है।

हो सकता है कि आपके पास संसाधनों की कमी हो, बीमारी या परिवार की उपेक्षा झेल रहे हों, पर यह सच है कि संघर्ष सबके जीवन में होता है। लेकिन व्यक्ति के सहने की क्षमता और प्रवृति के आधार पर इसका अनुभव हर किसी को अलग होता है। अपने दु:ख दूसरों को बताना मन की सेहत के लिए अच्छा होता है। पर उसकी नुमाइश करना या अपने दु:ख से लाभ कमाने की कोशिश करना, व्यक्तित्व की कमजोरी है। मन की हीनता और दुर्बलता है। यह दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की प्रवृत्ति है।

नमक जैसा है दु:ख

एक बूढ़ा जेन मास्टर अपने शिष्य की शिकायत करने की आदत से परेशान था। एक सुबह उन्होंने शिष्य को कुछ नमक एक गिलास पानी में मिलाकर पीने को दिया। मास्टर ने पूछा- कैसा है यह? शिष्य ने कहां, यह कड़वा लग रहा है, इसे पीना असंभव है। इसके बाद वे दोनों झील के किनारे गए। मास्टर ने उतना ही नमक झील के पानी में डाल दिया। शिष्य को फिर पानी पीने के लिए कहा और पूछा कि अब ये कैसा लग रहा है? शिष्य ने कहा, ये पानी बिल्कुल ताजा है। इसमें नमक का पता ही नहीं चल रहा। मास्टर ने कहा, जीवन में दु:ख भी नमक की तरह है। इसकी मात्रा भी समान ही है। पर इसकी कड़वाहट निर्भर करती है कि हमने इसे किस बर्तन में डाला है। जब दु:ख हो तो शिकायत की जगह अपने नजरिए को बड़ा कर लेना चाहिए।

अच्छी नहीं दु:ख की लत

दुखों की निरंतर चर्चा करना हमें अपने नकारात्मक अनुभवों से बाहर नहीं आने देता। हमें हर छोटी सी समस्या बड़ी दिखती है। हर समय दिमाग अतीत की गलियों में घूमता रहता है। ऐसे में जितना हम अपने दुख दूसरों के सामने रखते हैं, उतने ही नकारात्मकता और दुखों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है की जिंदगी का रोना भी कोई रोना है, जिंदगी रोकर काटो या हंसकर वह तो कट ही जाती है। सुख और दु:ख जिंदगी के खेल है। इन्हें खेल की तरह खेलते हुए चलने का नाम ही जिंदगी है। अगर दुखों को नजरंदाज न किया जाए तो जीना मुश्किल हो जाता है। दु:ख का प्रत्यक्ष रूप से जितना बड़ा दिखाई देता है अंदर से वह उतना हो खोखला और कमजोर होता है। अगर विचारों को मजबूत बनाकर रखा जाए तो दु:ख हवा के झोखे के साथ गायब होने वाले पानी के बुलबुलों की तरह होते हैं। दुख, तकलीफ, आपदाए इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती है। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव में होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो ही उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? कारण यह है की हमारी नकारात्मक सोच और चिंतन हम पर हावी हो जाते है। कहते है की इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। अगर सोच सकरात्मक होगी तो दु:ख मे भी कही न कही सुख की अनुभूति होगी।

समस्या का सामना करें

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा। और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा।

विकारों से सामना आसान नहीं

अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं– हमसे भूल हो गई, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता। हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देता है। जैसे मन में विकार जागे, सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है।

आत्मनिरीक्षण की विद्या

ऐसे में आत्मनिरीक्षण की विद्या हमें भीतर और बाहर दोनों सच्चाईयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते हैं और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते हैं। अपने दु:ख का कारण हमेशा बाहर ढूंढते हैं। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते हैं। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हमारे दुख का कारण भीतर है, वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया। हम सांस को भी जान सकते है और भीतर क्या हो रहा उसको भी। सांस हो या संवेदना, हम उसे मानसिक संतुलन खोए बिना देख सकते हैं। प्रतिक्रिया बंद होती है तो दु:ख का संवर्धन नहीं होता। उसके बजाय, विकार उभर कर आते हैं और उनकी निर्जरा होती है, क्षय होता है। जैसे जैसे हम इस विद्या में पकते चले जाय, विकार शीघ्रता के साथ क्षय होने लगते हैं। धीरे धीरे मन विकारों से मुक्त होता है, शुद्ध होता है। शुद्ध चित्त हमेशा प्यार से भरा रहता है—सबके प्रति मंगल मैत्री, औरों के अभाव एवं दुखों के प्रति करुणा, औरों के यश एवं सुख के प्रति मुदिता एवं हर स्थिति में समता।

लगातार प्रयास जरूरी

एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता– अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण और प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदत करेंगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमे बतायेगा–कुछ गडबड है! और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

खुद को जानना जरूरी: आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है। केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भक्तिभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अंधमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दु:ख से मुक्ति पा सकते हैं। अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना जरूरी है। भगवान बुद्ध ने यही सिखाया—जीवन जीने की कला। उन्होंने किसी संप्रदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिथ्या कर्म-कांड नहीं सिखाएं। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञानवश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की प्रज्ञा जागृत होती है तो यह अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है। तब हम सही क्रिया करते हैं—ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित्त में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सृजनात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी।

विकारों से बचें

दु:ख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही के न होने पर, मनचाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।

किसी और काम में लग जाएं

कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें? भारत एवं भारत के बाहर कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दु:ख की समस्या के, समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो—आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो—एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति तुम्हारे मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुत: हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समय पाकर फूट पड़ेगा।

आयुर्वेदिक उपायों से करें नकसीर का इलाज

गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**